राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 22 फरवरी-2023 वर्ष-6,अंक-30 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदरीनाथ हाईवे पर 25 स्थानों पर भूधंसाव, यात्रा मार्ग पर एकमात्र CHC भी खतरे में, बिल्डिंग बंद

जोशीमठ (चमोली)। चमोली जिले के जोशीमठ में बदरीनाथ हाईवे पर बढ़ रहे भूधंसाव ने आमजन के साथ ही शासन और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। बीते कुछ दिनों में हाईवे पर भूधंसाव तेज हुआ है। नगर से लगे हाईवे के 12 किमी हिस्से पर लगभग 25 जगह भूधंसाव का असर है। इसमें 10 स्थानों पर सड़क धंस रही है। यह धंसाव दो मीटर से दस मीटर तक की लंबाई में है। तीन जगह भूधंसाव के कारण गड्ढे हो गए हैं। इसके अलावा एक दर्जन से अधिक स्थानों पर कई छोटी-बड़ी दरारें आई हैं, जिनका दायरा निरंतर बढ़ रहा है।

मारवाड़ी में 10 से अधिक स्थानों पर दरारें आई

ऋषिकेश से शुरू हुआ बदरीनाथ हाईवे जोशीमठ शहर के बीच से होते हुए बदरीनाथ धाम और चीन सीमा से लगी माणा घाटी तक जाता है। जोशीमठ में इस हाईवे का करीब 12 किमी भाग पड़ता है। सोमवार को छावनी बाजार क्षेत्र में इस मार्ग पर दो नए गड्ढे देखे गए, जिनकी चौड़ाई दो फीट और गहराई क्रमशः 15 व 20 फीट बताई जा रही है। क्षेत्र में तीन जगह सड़क पर दरारें भी हैं। इसमें से एक स्थान पर सड़क धंस रही है। यहां हाईवे करीब 500 मीटर क्षेत्र में भूधंसाव से प्रभावित है। इससे पहले मारवाड़ी तिराहे के पास गड्ढा हुआ था। दो फीट चौड़े और करीब छह फीट गहरे इस गड्ढे का दायरा भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है। सबसे ज्यादा भूधंसाव मारवाड़ी क्षेत्र में है। यहां दो किमी क्षेत्र में 10 से अधिक स्थानों पर दरारें आई हैं। दो स्थानों पर सड़क धंस रही है। इससे पहले जेपी कालोनी से बीआरओ कार्यालय के बीच करीब 500 मीटर के दायरे में चार जगह दरारें आई हैं। सीमा सुरक्षा संगठन (बीआरओ) दरारों को मिट्टी और मलबे से भरकर हाईवे पर यातायात सुचारु रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन, यह प्रश्न अपनी जगह कायम है कि अभी इस मार्ग से गिने-चुने वाहन ही गुजर रहे हैं, तब यह हाल है। यात्रा सीजन में बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी के साथ सीमा क्षेत्र के लिए इस मार्ग से हर रोज पांच हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। तब हाईवे यातायात का दबाव कैसे झेल पाएगा। इस सवाल ने चिंता बढ़ाई हुई है। वहीं बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य के एकमात्र बड़े माध्यम सीएचसी जोशीमठ के नए भवन को दरार और भूधंसाव के कारण बंद कर दिया गया है।

कुशवाहा के बाद कांग्रेस भी दे सकती है नीतीश को झटका, 2009 फॉर्मूले पर विचार

कांग्रेस के रणनीतिकार 2009 मॉडल की मदद लेने की सोच रहे हैं। जहां पार्टी विपक्ष के नेतृत्व वाली `प्रगतिशील सरकार' को ध्यान में रखते हुए राज्य विशेष गठबंधन की तैयारी करती है।

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव में एक साल से ज्यादा का समय बचा है, लेकिन विपक्षी दल एकता मजबूत करने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। एक ओर जहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कांग्रेस से 'जल्द से जल्द' एकता पर फैसला लेने की अपील कर रहे हैं। वहीं, खबर यह भी है कि कांग्रेस चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार कर रही है। हालांकि, कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन पार्टी 2009 के फॉर्मूले पर गठबंधन बनाने के मूड में नजर आ रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस का मानना है कि 2024 चुनाव से पहले विपक्षी एकता तैयार करना मुश्किल हो सकता है। साथ ही भाजपा विरोधी होने का दावा कर रहे पार्टियों के एक वर्ग को चुनाव के बाद साथ लाया जा सकता है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा

गया कि एक गढ़ में एक से ज्यादा दलों के वर्चस्व ने कुछ पार्टियों को आपस में प्रतिद्वंदी बना दिया है। ऐसे में चुनाव से पहले राज्यों में गठजोड़ बनाना चुनौतीभरा होगा।

क्या होगी कांग्रेस की रणनीति?

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे में कांग्रेस के रणनीतिकार 2009 मॉडल की मदद लेने की सोच रहे हैं। जहां पार्टी विपक्ष के नेतृत्व वाली प्रगतिशील सरकार को ध्यान में रखते हुए राज्य विशेष गठबंधन की तैयारी करती है। खास बात है कि 2004 में कांग्रेस की रणनीति चुनाव से पहले गठबंधन की थी, जिसकी मदद से अटल बिहारी वाजपेयी की नेतृत्व वाले एनडीए को पीछे छोड़ दिया गया था।

एक कांग्रेस नेता बताते हैं, केरल में सीपीएम और कांग्रेस लड़ेंगे, तेलंगाना में

> **वहीं, खबर यह भी है कि कांग्रेस चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार कर रही है। हालांकि, कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन पार्टी 2009 के फॉर्मूले पर गठबंधन बनाने के मूड में नजर आ रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस का मानना है कि 2024 चुनाव से पहले विपक्षी एकता तैयार करना मुश्किल हो सकता है। साथ ही भाजपा विरोधी होने का दावा कर रहे पार्टियों के एक वर्ग को चुनाव के बाद साथ लाया जा सकता है।**

कांग्रेस, बीआरएस के साथ नहीं जा सकती, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, सीपीएम के साथ नहीं जा सकती। ये परेशानियां बनी रहेंगी। ऐसे में चुनाव से पहले हमारी महत्वकांक्षाओं को इस सच्चाई के हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए।

मददगार भी हो सकते हैं राज्य

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि राज्यवार गठबंधन की मदद से राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की संख्या कम करने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने इसके लिए झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा, तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम, महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शिवसेना, केरल में यूडीएफ, बिहार में जेडीयू-आरजेडी के साथ का हवाला दिया।

कांग्रेस के एक नेता का कहना है कि पार्टी से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि तेलंगाना में सीएम के चंद्रशेखर राव के साथ जुड़कर अपनी पहचान सरेंडर कर दे। हालांकि, यहां भी एक विकल्प यह हो सकता है कि कांग्रेस उन राज्यों में सीटें छोड़ दे, जहां वह मजबूत नहीं है।

गैंगस्टर मामले को लेकर एएनआई की कार्रवाई

पंजाब-हरियाणा समेत आठ राज्यों के 70 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार सुबह बड़ी कार्रवाई की है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश के 8 राज्यों में 70 जगहों पर छापा मारा है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, एनआईए की टीम पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में 70 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी कर रही है।

गैंगस्टर मामले को लेकर की एनआईए ने कार्रवाई

बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा यह कार्रवाई गैंगस्टर और उनके आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज एक मामले को लेकर की है।

पंजाब में 30 से ज्यादा जगहों पर रेड-जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम द्वारा गैंगस्टर और उनके आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में पंजाब में 30 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की जा रही है। बताते चलें कि यह गैंगस्टर नेटवर्क पर एनआईए की छापेमारी का चौथा दौर है। इससे पहले भी कई बार एनआईए द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है।

प्रतिबंधित PFI के ठिकानों पर भी मारा था छापा

इससे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने टेरर फंडिंग मामले में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया

(पीएफआई) के ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी की थी। एनआईए ने राजस्थान में सात स्थानों पर पीएफआई सदस्यों के घरों पर छापा मारा और इसके कई सदस्यों को गिरफ्तार किया। इस छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, एयरगन, धारदार हथियार और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

मुंबई में म्यूजिक इवेंट के दौरान सोनू निगम के साथ धक्का-मुक्की

मुंबई। मशहूर सिंगर सोनू निगम के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के चेंबूर में एक लाइव शो के दौरान गायक के संग धक्का-मुक्की हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आनन-फानन में उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया। वहीं, इस झड़प में सोनू निगम के एक क्रू मेंबर को चोटें लगने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोनू के ऊपर जब हमला हुआ तो बॉडीगार्ड्स ने आगे आकर उन्हें बचा लिया। बताया जा रहा है कि वह इस समय ज्यादा बात करने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि धक्का-मुक्की करने वालों की पहचान की जा रही है। पुलिस की ओर से अभी तक इसे लेकर कोई

एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

परफॉर्म करके लौटते वक्त हुई धक्का-मुक्की

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार को चेंबूर फेस्टिवल का आखिरी दिन था, जिसमें सोनू निगम भी शामिल होने गए थे। इस इवेंट में परफॉर्म करने के बाद जब वह स्टेज से वापस लौटे रहे थे, तभी वहां कई लोग सेल्फी लेने के लिए जुट गए। बताया जा रहा है कि इसी दौरान धक्का-मुक्की में सोनू निगम की टीम का एक आदमी नीचे गिर गया, जिससे उसे चोटें आई हैं। इस शख्स को अस्पताल पहुंचाया गया और फिर एक्स-रे कराने के बाद वापस घर भेज दिया गया।

सोमवार रात करीब 11 बजे हुई घटना

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना रात करीब 11 बजे हुई जब निगम एक संगीत समारोह में भाग लेने के लिए उपनगरीय चेंबूर में थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते समय, प्रशंसकों के एक समूह ने गायक के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की तो निगम के 2 सहयोगियों ने हस्तक्षेप किया। अधिकारी ने बताया कि प्रशंसकों ने निगम के दोनों सहयोगियों के साथ मारपीट की जिससे उनमें से एक को मामूली चोट आई।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के भाई पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

छतरपुर/भोपाल। छतरपुर के बहुचर्चित बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं. उन पर दलितों के साथ मारपीट करने और पिस्टल हवा में लहराने का आरोप है. पुलिस ने शालिग्राम के खिलाफ एससी-एसटी सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने छतरपुर जिले के गढ़ा गांव में 11 फरवरी को एक शादी में हंगामा मचाया था. पुलिस ने बताया कि बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिग्राम गर्ग के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 323, 506, 427 और एससी-एसटी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई. आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा था. इस वीडियो में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के छोटे भाई शालिग्राम के हाथ में कट्टा और मुंह में सिगरेट थी. वह वीडियो में दलितों के साथ मारपीट करते नजर आ रहे थे. बमीठा थाना पुलिस ने दलित लड़की के पिता की शिकायत पर 20 फरवरी की शाम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया. आरोपी के गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं. आरोप है कि शालिग्राम ने दलितों को गालियां भी. इस वीडियो की जांच के लिए एसपी ने टीम भी गठित की है. गौरतलब है कि इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है. पुलिस अधिकारी मामले की गहराई से जांच करने की बात कर रहे हैं.

अभी तक यहां व्यस्त था जिला प्रशासन

बता दें, गढ़ा गांव में चल रहे महायज्ञ का 19 फरवरी को ही समापन हुआ है. बागेश्वर धाम का प्रबंधन और जिला प्रशासन इसी की देखरेख में थे. उत्सव का समापन घर वापसी के साथ हुआ. बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि 19 फरवरी को 220 हिंदुओं ने घर वापसी की. इनमें से कई लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया था, तो कई लोग चर्च जाने लगे थे. हालांकि, उन्होंने कहा कि विश्व में धर्म सिर्फ एक है और वह है सनातन धर्म. घर वापसी सभी लोग सागर के गांवों के बताए जा रहे हैं. बागेश्वर धाम पर पूरे विधि-विधान से इन सभी की घर वापसी कराई गई.

लखनऊ में विमान में बम की सूचना से हड़कंप, इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, जाँच जारी

लखनऊ- दिल्ली से देवघर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में बम की सूचना मिली, इससे हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर फ्लाइट की लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सोमवार को दिल्ली से झारखंड के देवघर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। इसके बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग लखनऊ एयरपोर्ट पर कराई गई। सूचना के अफवाह निकलने पर एहतियात के तौर पर लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग के बाद मॉक ड्रिल भी किया गया। बताया जाता है कि लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अमौसी एयरपोर्ट) पर दोपहर 12:20 बजे फ्लाइट की लैंडिंग के बाद उसे आइसोलेशन बे में ले जाया गया। हवाई अड्डे पर सुरक्षा खतरे का

पता लगाने के लिए जांच की गई। लेकिन यह सूचना अफवाह निकली। जांच पूरी होने के बाद विमान को देवघर के लिए फिर रवाना किया गया। इस बाबत इंडिगो एयलाइंस की ओर जारी बयान में कहा गया कि दिल्ली से देवघर जा रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6 ई 6191 को बम की धमकी के बाद लखनऊ एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। वहां सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया और विमान को टेकऑफ के लिए मंजूरी दे दी गई। एयरलाइंस ने बताया कि उसकी ओर से जांच में सुरक्षा एजेंसियों का सहयोग किया गया। इंडिगो के अधिकारियों ने कहा कि टेकऑफ के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। इस संबंध में देवघर एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रभारी सह डीएसपी सुमन आनंद ने बताया कि दरअसल सूरत से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली थी, जो बाद में अफवाह साबित हुई। वही फ्लाइट दिल्ली से चलकर देवघर आती है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली से देवगढ़ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6श्व-6191 को बम की धमकी मिलने के बाद लखनऊ डायवर्ट किया गया। सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया और विमान को टेकऑफ के लिए मंजूरी दे दी गई। जांच में सुरक्षा एजेंसियों के नियमों का पालन किया गया । सोमवार को दिल्ली से इंडिगो की एक फ्लाइट प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवघर जा रही थी कि अचानक ही हैदराबाद से कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि विमान में बम है, जिसके बाद आनन-फानन में विमान को लखनऊ में चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतार दिया गया और जहां रनवे पर ही सामान उतारकर चेकिंग गई ।यात्रियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया जहां उनमें दहशत का माहौल रहा, जिन्हें समझा-बुझाकर शांत किया गया। इसी बीच पुलिस ने विमान में बम होने की सूचना देने वाले व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। यह फोन क्यों किया गया है, एजेंसी इसकी जांच कर रही है।

दिल्ली में बाइक टैक्सी बैन, केजरीवाल सरकार की सख्ती के बाद बुकिंग बंद; क्यों लिया ऐसा फैसला

नई दिल्ली। राजधानी में दो पहिया वाहनों को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाने के बाद से परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। इसका असर भी देखने को मिला सोमवार को ऐप पर दो पहिया वाहनों की बुकिंग नहीं ली गई। वहीं, परिवहन विभाग की टीम ऐप से खुद बुकिंग कर इसकी निगरानी भी करेगी। बुकिंग करने पर कोई दो पहिया वाहन लोकेशन पर पहुंचता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पहली बार दो पहिया वाहन को टैक्सी के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर पकड़े जाने पर पांच हजार का चालान कटेगा। दूसरी बार 10 हजार रुपये का चालान काटा जाएगा। इसके साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस को कम से कम तीन माह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। विभाग का कहना है कि टैक्सी में दो पहिया को चलाने वाले ड्राइवर के साथ ही उन कंपनियों पर भी कार्रवाई की जाएगी जो ऐप आधारित सेवाओं की पेशकश कर रही हैं। इन कंपनियों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। बीते शुक्रवार को आपका अपना ऑटो- टैक्सी यूनियन के प्रतिनिधि परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा से मिले थे। उन्होंने मांग रखी थी कि दिल्ली में निजी दो पहिया वाहनों का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। इससे दोहरा नुकसान है। इसी मांग पर परिवहन आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश

> **दिल्ली में मोबाइल ऐप के जरिए बाइक टैक्सी पर प्रतिबन्ध लागू कर दिया गया है। परिवहन विभाग ने ऑटो रिक्शा यूनियन की शिकायत के बाद इस पर विचार किया था। सोमवार को कोई बुकिंग नहीं हुई।**

दिए थे।

दोपहिया के कमर्शियल यूज की अनुमति नहीं

राजधानी दिल्ली के अंदर दो पहिया वाहन को व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के लिए कोई नीति नहीं है। सिर्फ निजी उपयोग के लिए ही दो पहिया वाहन खरीद सकते हैं लेकिन कुछ कंपनियां निजी दो पहिया वाहन को अपने यहां पंजीकृत करके टैक्सी की सुविधा दे रही हैं। इसमें किराए का कुछ प्रतिशत कंपनी द्वारा काट लिया जाता है। बाकी पैसा बाइक चालक एवं मालिक को मिल जाता है। दिल्ली में पांच से सात हजार दो पहिया वाहनों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

युद्ध की फांस

रूस-यूक्रेन युद्ध का एक साल पूरा होते-होते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की यूक्रेन में अचानक हुई उपस्थिति से साफ हो गया है कि इस युद्ध में यूक्रेन अकेला नहीं लड़ रहा है। यही वजह है कि कुशल रणनीतिकार पुतिन युद्ध के एक साल पूरा होने के बावजूद कोई निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर पाये हैं। उनकी कुछ सफलताएं जरूर हैं लेकिन मास्को की समुद्री पहुंच को निरापद बनाने के अलावा वे कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये हैं। वहीं लोकप्रियता और अर्थव्यवस्था के नजरिये से भी रूस ने बड़ी कीमत चुकाई है। फरवरी 2022 के अंत में जब पुतिन ने अपने दो लाख सैनिकों को यूक्रेन पर आक्रमण के लिये भेजा था तो दावा था कि रूसी सैनिक कुछ ही दिनों में यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचकर सत्ता परिवर्तन कर देंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के सबसे बड़े रूसी हमले की कामयाबी आज फिर सवालों के घेरे में है। भले ही पुतिन ने इसे पूर्ण युद्ध नहीं माना और एक सैन्य अभियान की संज्ञा दी,लेकिन आज करीब सवा करोड़ यूक्रेनी नागरिक यदि देश व विदेश में शरणार्थियों का जीवन बिता रहे हैं तो युद्ध की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तब पुतिन ने दलील दी थी कि वे यूक्रेन पर कब्जा नहीं करेंगे बल्कि नाजियों से उसे मुक्त कराना है। साथ ही दलील दी थी कि रूसी समर्थकों के कब्जे वाले इलाकों को मुक्त कराना उनका मकसद है। दरअसल, रूस की असल मंशा यही थी कि यूक्रेन नाटो के प्रभाव से मुक्त रहे। यानी कि गुटनिरपेक्ष स्थिति कायम रहे। लेकिन इस युद्ध ने यूक्रेन को गहरे तक नाटो के साथ जोड़ दिया है। पश्चिमी देशों को भी यूक्रेन के कंधे पर रखकर बंदूक चलाना रास आ रहा है। वहीं यूक्रेन के लोग मानते रहे हैं कि रूस ने चुनी सरकार को हटाने के लिये युद्ध का सहारा लिया। वहीं पुतिन दावा करते रहे हैं कि यूक्रेन नौवीं सदी से ही रूस का हिस्सा रहा है।

लेकिन इतना तय है कि मानवता ने इस युद्ध की बड़ी कीमत चुकाई। केवल यूक्रेन में ही हजारों नागरिक व सैनिक नहीं मारे गये, रूस ने भी बड़ी संख्या में अपने सैनिक व जनरल गवांए हैं। वहीं कोरोना संकट के बाद दुनिया की अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के जो कयास लगाये जा रहे थे, इस युद्ध ने उन पर पानी फेर दिया। दुनिया में गेहूं निर्यात के दो केंद्र रूस व यूक्रेन थे। युद्ध के चलते पूरी दुनिया में खाद्यान्न संकट की स्थिति पैदा हो गई। खासकर अफ्रीका व गरीब मुल्कों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दामों में आये उतार-चढ़ाव ने दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया। पूरी दुनिया की खाद्य श्रृंखला इस युद्ध से प्रभावित हुई है। ऐसे में पुतिन के युद्ध थोपने को लेकर सवाल किये जा रहे हैं कि रूस ने एक साल चली लड़ाई से क्या हासिल किया है। कीव समेत कई इलाकों से उसे पीछे हटना पड़ा है। उसकी प्राथमिकता कालांतर डोनबास को मुक्त कराने की हो गई। हालांकि, खारकीव व खेरासन में रूस को शिकस्त मिली, लेकिन युद्ध के लक्ष्यों में कमी नहीं आई। हालांकि युद्ध में रूस ने भारी क्षति भी उठायी और उसकी पूर्ति के लिये द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार आंशिक अनिवार्य भर्ती के लिये बाध्य भी होना पड़ा। यही हकीकत है कि जिस युद्ध को रूस कुछ ही दिनों में खत्म करने की उम्मीद पाले बैठा था वह युद्ध आज भी अनिर्णायक स्थिति में है। वहीं अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन को आर्थिक व आधुनिक हथियारों से पूरी मदद कर रहे हैं। बहुत संभव है कि आने वाले वर्षों में यूक्रेन को सदस्य बनाकर नाटो रूस के दरवाजे तक पहुंच जायेगा। ले-देकर रूस के खाते में यही सफलता कही जा सकती है कि उसने क्रीमिया तक जमीनी रास्ते पर अधिकार कर लिया है, जिस पर वर्ष 2014 में उसने कब्जा किया था।

चिंता की बात है

जिस वक्त सर्दी को सताना चाहिए, उस वक्त अगर लोग गर्मी से बेहाल होने लगें तो यह वाकई चिंता का सबब है। उत्तर और पश्चिमोत्तर भारत के कई इलाकों में पारा तेजी से चढ़ने लगा है। यहां तक कि पश्चिमी तटीय इलाकों में लू की स्थिति पैदा हो गई है, वहीं पहाड़ी इलाके भी गर्म हो गए हैं। दिल्ली की बात करें तो रविवार को यहां का तापमान 31.5 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि आमतौर पर फरवरी महीने में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से कम रहता है। बीते 14 साल में पहली बार हुआ है कि फरवरी के शुरुआती 20 दिन में ही पारा इतना ऊपर चढ़ा है। कुछ ऐसा ही हाल हिमाचल प्रदेश का है जहां तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। फरवरी का महीना अभी खत्म भी नहीं हुआ है मगर चढ़ते पारे ने आमजन के साथ ही पर्यावरण विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। वाकई यह स्थिति अच्छी नहीं है और आने वाले दिनों की भयावहता का संकेत दे रहे हैं। एक तो जल्दी गर्मी शुरू होने से पहाड़ी राज्यों में ठंड का आनंद लेने पहुंचे सैलानियों को निराशा हाथ लगी और वे लौटने लगे हैं। स्वाभाविक है कि सैलानियों के आने से होने वाली कमाई मौसम के रंग दिखाने से प्रभावित होगी। एक आशंका यह भी लगाई जाने लगी है कि समय से पहले पारा चढ़ने का असर गेहूं, दलहन और तिलहन पर पड़ेगा। यहां तक कि मौसमी फल भी इस अप्रत्याशित मौसम की जद में आएंगे और उत्पादन भी प्रभावित होगा। दूसरी तरफ वैश्विक तापमान बढ़ने के कारण आबोहवा में आए बदलाव का नतीजा यह निकला कि पिछले कुछ वर्षों में सर्दी के दिन सिकुड़ रहे हैं और फरवरी से ही गर्मी शुरू हो रही है। यानी बसंत का मौसम अब बीते दिनों की बातें हो गई हैं। सर्दी से अब हम गुलाबी सर्दी का अहसास न करके सीधे गर्मी से दो-चार होंगे। इस बदलते मौसम के मिजाज को हमें संजीदगी से समझना होगा। अगर अभी गर्मी का यह हाल है तो आने वाले दिनों में अल्प वृष्टि की आशंका से सनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार को इस मसले पर चिंतन करना चाहिए। पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील होने पर ही हम प्रकृति के कोपभाजन से बच पाएंगे। अभी अगर फरवरी के शुरुआती हफ्ते में गर्मी का यह हाल है तो मौसम के तीखे होते तेवर के प्रति हमें सचेत रहना होगा। इसे हल्के में लेने का खामियाजा हम तो भुगतेंगे ही, हमारी पीढ़ियां भी इससे नहीं बच पाएंगी।

सूक्ति

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।

– रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।

– स्वामी ज्ञानानंद

चिंतन-मनन

कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमज़ोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। शापाङ्ग में जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है।

इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। एक थे राजा शिवि। इनके धार्मिक स्वभाव और दयालुता एवं परोपकार के गुण की ख्याति स्वर्ग में भी पहुंच गयी। इन्द्र और अग्नि देव ने योजना बनायी कि राशि शिवि के गुणों को परखा जाए। एक दिन अग्नि देव कबूतर बने और इन्द्र बाज। कबूतर उड़ता हुआ राजा शिवि की गोद में आकर बैठ गया और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा। इसी बीज बड़ा सा बाज राजा शिवि के पास पहुंचा और कबूतर को वापस करने के मांग करने लगा। बाज ने कहा कि, कबूतर मेरा आहार है अगर आप मुझे वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा।

बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो। राजा के इस दयालुता और शरण में आये हुए कि मदद करने की भावना को देखकर कबूतर अग्नि देव और बाज देवराज इन्द्र के रूप में प्रकट हुए। आसमान से फूलों की वर्षा होने लगी। देवराज इन्द्र ने कहा कि तुम ने धर्म की लाज रखी है। जो शरण में आये की रक्षा नहीं करता वह पापी है। कमज़ोर की सहायता न करने वाला भी अधर्मी है। दोनों देवताओं ने राजा शिवि को आशीर्वाद दिया और स्वर्ग चले गये।

मुनाफे में किसान का हिस्सा सुनिश्चित हो

प्रश्न अनुत्तरित है कि जब कृषि उत्पादों व खेती से जुड़े उपकरणों तथा वस्तुओं के विक्रेता सदा फायदे में रहते हैं तो किसान बदहाली में क्यों जी रहा है? क्यों उसे आत्महत्या करनी पड़ती है? कहीं न कहीं किसाम की मेहनत पर परजीवी फल-फूल रहे हैं। कृषि उत्पादों से जुड़े तमाम कारोबारों में किसान का लाभांश सुनिश्चित करना चाहिए।

देविंदर शर्मा

पर्यावरण विज्ञान के जाने-माने अध्ययनविद प्रोफेसर डेविस स्टोन, जो 'कृषि दुविधा : दुनिया का पेट कैसे भरें' नामक लेख के लेखक भी हैं, उन्होंने एक दिन ट्वीट करते हुए कहा, 'मैं कृषि संबंधी उद्योग और किसानी को जुदा मानता हूं। कृषि संबंधी उद्योगों को मिलने वाली संघीय सरकार की मदद अधिकाशंतः किसानों की एवज पर होती है।' मैंने महसूस किया कि नीति-निर्माताओं, नीति विश्लेषकों के अलावा मीडिया की अतार्किक व्याख्या को उजागर करता यह निचोड़ कितना सटीक है क्योंकि हमें यह यकीन दिलाना कि कृषि संबंधी उद्योग को सरकारी मदद का मतलब है किसानी मदद करना, तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

अपनी प्रतिक्रिया में मैंने इस तरह स्पष्ट किया 'भारत में भी, ज्यादातर विश्लेषक कृषि व्यवसाय को मिलने वाली मदद का अर्थ किसान को मिली मदद से निकालते हैं। यही वजह है कि जहां कृषि-संबंधी उद्योग तरक्की करते गए वहीं कृषक नीचे फिसलते गए।' कम से कम यह वही है जो मैंने सालों से होते देखा है। एक तरफ खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर और अन्य खेती उपकरण इत्यादि के निर्माता लगातार फल-फूल रहे हैं और उनके शेयरों के दाम बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर किसान को बुरी तरह कृषि-संत्रास झेलने पड़ रहे हैं। ठीक इसी वक्त मीडिया में आए दिन खबरें देखने को मिलती हैं कि सही दाम न मिलने से हताश किसान ने टमाटर, लहसुन, आलू और बैंगन सड़कों पर फेंक दिए या खड़ी फसल को खुद आग लगानी पड़ी।

तमाम नतीजे किसान को ही भुगतने पड़ते हैं। आज तक नहीं देखा कि किसी व्यापारी को (जैविक उत्पाद खरीदने वाले सहित) अंततः घाटा उठाना पड़ा हो। उदाहरणार्थ, पंजाब में, वर्ष 2000-2015 यानी 15 सालों में 16,600 किसानों ने आत्महत्या की है जबकि हमने शायद ही किसी व्यापारी को (सिवाय निजी कारणों से) खुदकशी करते पाया। दूसरे शब्दों में, कृषि आपूर्ति श्रृंखला इतनी चतुराई से गढ़ी गई है कि कड़ियों के दोनों छोर वाले तो फायदे में रहते हैं लेकिन किसान घाटे में। यही वजह है कि हर साल रिकॉर्ड कृषि उत्पादन होने के बावजूद कमाई में कृषक सबसे निचले पायदान पर रहता है।

अक्सर हैरानी होती है कि मार्च, 2021 में जारी एफएओ नामक संगठन की रिपोर्ट में भारतीय कृषि (वर्ष 2018) के अनुमान में सकल कृषि फसल उत्पादन का मूल्य 289,802,032 मिलियन डॉलर आंका गया, वहीं सकल खाद्य सामग्री उत्पादन 400,722,025 मिलियन डॉलर मूल्य का रहने पर भी किसान आर्थिक बदहाली में है। आखिरकार, अपने 418,541,342 मिलियन डॉलर मूल्य के उत्पादन के साथ भारत दुनियाभर में चीन के बाद दूसरे पायदान पर है। फिर भी भारतीय खेती को भीषण संत्रास का सामना क्यों करना पड़े। इस बाबत 'सिचुएशन एसेस्मेंट सर्वे ऑफ एग्रीकल्चर हाउसहोल्ड-2018 रिपोर्ट' में अनुमान के मुताबिक एक औसत कृषक की कुल पारिवारिक आय 10218 रुपये (124 डॉलर) प्रति माह है। इस कमाई में गैर-कृषि गतिविधियों से प्राप्त आमदनी भी शामिल है। लेकिन बात जब विशुद्ध से प्राप्त कमाई की करें तो यह महज 27 रुपये दैनिक बनती है। उत्पादन आंकड़ों को देखकर यह साफ है कि आर्थिक विकास की बुनियाद किसान की मेहनत पर टिकी है, और दौलत के असल सूत्रधार भी वे हैं। लेकिन जब हम खेती से प्राप्त आय देखें तो जिस दारूणता और दर्द के साथ कृषक किसी तरह जी रहा है, यह पहेली बनी हुई है। फिर भी, किसान की कमाई बढ़ाने की खातिर सरकारी सहायता के परोक्ष उपाय और कार्यक्रम, जिसमें फसल का गारंटिड मूल्य देना शामिल है, यह लाभ सीधे किसान को पहुंचे, ऐसी नीतियां बनाने के बजाय नियंताओं का ध्यान आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित रहता है, जिसका मतलब है एक बार फिर से खाद्य श्रृंखला के आखिरी छोर वालों का फायदा करना।

इस जटिलता को आसानी से समझाने का उपाय 'एग्रीबिज़नेस मैटर्स' नामक वेबसाइट चलाने वाले वेंकी रामचंद्रन नामक एक तकनीक-माहिर ने सुझाया है। इसके अनुसार, जाने-पहचाने 'स्माइली' प्रतीक चिन्ह को देखें तो होठों की मुस्कान अंग्रेजी वर्ण यू का द्योतक है, उसके दोनों अंतिम सिरों पर, एक पर कृषि में प्रयुक्त अवयवों के निर्माता हैं और दूसरे पर कृषि उत्पाद के खरीदार, तो वहीं चंद्राकार वक्र के सबसे निचले बिंदु पर दबा-कुचला किसान है। इसलिए स्माइली वक्र उस अफसोसनाक सवाल का सबसे आसान जवाब है, जिसकी अनदेखी अधिकांश लोग करना चाहते हैं और फिर पूछते हैं 'जब कृषि से जुड़े तमाम व्यवसाय पैसा बना रहे हैं तो फिर किसान की कमाई क्यों नहीं हो रही?'

जैसा कि अक्सर समझाता आया हूं, नई तकनीक से दक्षता बढ़ने और इससे बढ़े कृषि उत्पादन के बावजूद किसान की कृषि से होने वाली आय नीचे जा रही है। जैसा कि कनाडाई लेखक और समालोचक डारिन क्वालमैन ने अपने आकलन में दर्शाया है, किसान को मिलने वाली गेहूं की वास्तविक कीमत (मुद्रा स्फीति ध्यान में रखने के बाद) पिछले 150 सालों से नीचे की ओर जाती गई, गेहूं की कीमत 1867 में 30 डॉलर प्रति बुशेल (27.21 किलो) से घटकर वर्ष 2017 में 5 डॉलर प्रति बुशेल हो गई। जबकि इस अवधि में, गेहूं से बनने वाली डबलरोटी की कीमत बढ़ती गई, केवल पिछले चार दशकों में इनमें कई गुणा इजाफा हुआ है। इसी तरह यदि लैटिन अमेरिकी मुल्कों से निर्यातित केले का मामला देखें तो उपभोक्ता द्वारा चुकाई कीमत से किसान के हिस्से आने वाली इतनी कम है कि इससे पैदावार की लागत तक नहीं निकलती। किसान साल के 9 महीने खूब खटता है फिर भी मामूली आमदनी पर किसी तरह जीवित है। लेकिन दूसरी ओर उसके उत्पाद की आपूर्ति श्रृंखला के दोनों छोर वाले यानी कंपनियां और ग्राहकों को कोई शिकायत नहीं है। एक अमेरिकी कृषक ने कुछ देर पहले ट्वीट किया था कि मक्का का जो मूल्य उसे आज मिल रहा है वह 1970 के दशक के शुरू में उसके पिता को मिलने वाली कीमत से कम है। जाहिर है सबक मिलता है। जब बजटीय प्रावधानों में कृषि से जुड़ी समूची मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने वाले उपाय, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक आधारभूत ढांचा बनाने और कृषि नव-नवोन्मेष के लिए अलहदा विशेष फंड रखा गया है, तो यहां सवाल है ये उपाय किसान की आय बढ़ाने में कैसे परिवर्तित होंगे? यहां तक कि कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) के मामले में भी, वे लोग इस विचार को लेकर बहुत उत्साह दिखाते हैं कि यदि कई किसान अपने उत्पाद को आपस में एका बनाकर बेचें (एग्रीगेशन) तो जिंस की बढ़िया कीमत ले पाएंगे, लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में जो मूल्य उत्पाद का लगता है, वह न्यूनतम समर्थन मूल्य से कही कम होता है।

प्रस्तावित कृषि वेगवर्धक निधि, जिसकी घोषणा बजट-2023 में की गई है और जिसका उद्देश्य कृषि नवोन्मेष को मदद देकर किसानों को दरपेश चुनौतियों का नूतन हल निकालना है, देखना है क्या यह प्रयोग भी अंततः तकनीक-प्रदाताओं का ही फायदा करेगा या वास्तव में किसान की उद्यम-क्षमता बढ़ाने वाला होगा। उपभोक्ता किसी उत्पाद की जो कीमत चुकाता है, उसका न्यूनतम अंश किसान तक पहुंचे यह गारंटी बनाना शायद कहीं ज्यादा बढ़िया तरीका है और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को कृषकों की खातिर यह सुनिश्चित करना ही होगा।

-लेखक खाद्य एवं कृषि मामलों के विशेषज्ञ हैं।

विचार-मंथन

तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी महाशक्तियां

सनत जैन

युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और सुरक्षा कायम करने के लिए 78 वर्ष पूर्व 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी। प्रारंभ में अमेरिका, इंग्लैंड और सोवियत संघ सहित 50 देश इसके प्रमुख गठनकर्ता बने थे। द्वितीय विश्व युद्ध के विनाशकारी परिणामों के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रों के बीच सम्मान और आत्म निर्णय के आधार, मैत्रीपूर्ण, संबंध, सहयोग, सामाजिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिक समस्याओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुलझाने के लिए, संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। सुरक्षा परिषद का भी गठन हुआ। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों की संख्या वर्तमान में 193 गई है। सुरक्षा परिषद विश्व शांति और सुरक्षा के दायित्व को पूरा करने वाली आदेशात्मक संस्था है। इसके 5 स्थाई सदस्य हैं। जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस तथा रूस है। यही 5 सदस्य आज शांति को अशांति में परिवर्तित कर रहे हैं। सारी दुनिया इनकी ओर टकटकी लगाकर देख रही है। सुरक्षा परिषद का दायित्व है, कि दोषी राष्ट्रों के विरुद्ध कूटनीतिक, आर्थिक और वित्तीय दंड निर्धारित कर विश्व में शांति व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखें। गठन के समय सुरक्षा परिषद को जिन 5 देशों को, वीटो के अधिकार दिए गए। उनके ऊपर सबसे ज्यादा जिम्मेदारी बनती है, लेकिन वर्तमान में यही 5 देश सबसे ज्यादा गैर जिम्मेदार साबित हो रहे हैं। जिसके कारण एक बार फिर तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बनने लगी है। जिसके कारण सारी दुनिया के देश चिंतित हैं।

वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में एक दूसरे के खिलाफ आर्थिक जंग बढ़ गई है। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय विभिन्न देशों के बीच सीमा विस्तार युद्ध का प्रमुख कारण होता था। लेकिन अब इसमें आर्थिक कारण सबसे बड़ा कारण बनकर सामने आ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडन अचानक यूक्रेन की राजधानी की पहुंचे। 24 फरवरी से रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है। जंग के दौरान बाईडन का अचानक यूक्रेन दौरा रूस-यूक्रेन युद्ध की आग में घी डालने का काम जैसा है। यूक्रेन पहुंचकर जो बाईडन ने जता दिया है कि अमेरिका अंतिम क्षण तक यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई और आर्थिक मदद देता रहेगा। यूक्रेन और अमेरिका दोनों ही उस समय भयभीत है। रूस एक बार फिर जंग में मजबूत स्थिति में आ गया है। रूस और चीन के बीच में इस जंग को लेकर कहीं ना कहीं सहमति बनी हुई है। रूस और चीन दोनों मिलकर अमेरिका और नाटो देशों के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। जिसके कारण अब रूस, चीन और अमेरिका के बीच वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई है। इसमें चीन भी पूरी तरह से सक्रिय है। जो बाईडन के यूक्रेन पहुंचने के बाद से विश्व शांति को लेकर एक बड़ी चिंता सारी दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। अमेरिकी जनरल ने इसका इशारा भी कर दिया है। उसने कहा कि अब अंतरिक्ष भी सुरक्षित नहीं रहा रूस के बाद चीन विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आ रहा है। रूस और चीन की ओर से खतरनाक हथियारों का प्रदर्शन और टेस्ट यूक्रेन के युद्ध मैदान हो रहा है। वहीं नाटो देश और अमेरिका भी यूक्रेन के माध्यम से अपने आधुनिक हथियारों को टेस्ट करने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में अमेरिका, रूस और चीन वीटो के माध्यम से पिछले कई दशकों से अपनी दादागिरी और मनमानी करते आ रहे हैं। सुरक्षा परिषद कि अब विश्व शांति की दिशा में विशेष भूमिका देखने को नहीं मिल रही है सारी दुनिया के देश सुरक्षा परिषद के पांचों देशों के पिछलग्गू बनकर आपस में बंटे हुए हैं। जिसके कारण सारी दुनिया के देश तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से भयभीत हैं। पिछले दशकों में विनाशकारी हथियारों का बड़ा जखीरा दुनिया के सभी देशों के पास है। ऐसी स्थिति में वर्तमान यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ, तो मानव जाति को बहुत बड़ा नुकसान होगा, जिसकी कल्पना करना संभव नहीं है। जिस तरह की स्थिति में देखने को मिल रही है। उसमें युद्ध की स्थिति में प्रकृति और मानव जाति को भारी नुकसान तय है। उस नुकसान की भरपाई कई सदियों तक होना संभव नहीं होगी। आज जरूरत इस बात की है, कि दुनिया के सारे देश, जो संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य हैं। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सभी देशों के संबंध और दबाव कहीं ना कहीं इन पांचों महाशक्तियों के ऊपर बनाना होगा। अब जरूरत इस बात की है, समय रहते विश्व के सभी 193 देश जिसमें विकासशील और विकसित राष्ट्र है। वह अपनी सुरक्षा और शांति व्यवस्था को बहाल रखने को लेकर महाशक्तियों के सामने खुलकर आयें। तभी इन महाशक्तियों को नियंत्रित किया जा सकता है।

बुंदेलखंड

कब तक रहेगा उपेक्षा का शिकार

रघु ठाकुर

यह वर्ष भारत की आजादी का वर्ष है और प्रधानमंत्री जी ने इसे अमृतकाल कहा है, परंतु इन 75 वर्षो में बुंदेलखंड क्षेत्र-जिसमें मध्य प्रदेश के 7 जिले तथा लगभग इतने ही उत्तर प्रदेश के जिले आते हैं-में आज भी विष-काल चल रहा है।

इस क्षेत्र की लगभग 6 से 7 करोड़ की आबादी आज भी भारत के तथाकथित विकास की तुलना में बहुत पीछे है। अगर हम ऐतिहासिक कारणों को देखें तो अंग्रेजी शासनकाल में भी बुंदेलखंड अंग्रेजों के निशाने पर रहा। क्योंकि इस पूरे अंचल में निरंतर विद्रोह के स्वर उठते रहे। इसलिए या तो अंग्रेजों ने इस अंचल में छावनियां बनायी ताकि अपनी सेना रखकर विद्रोह को दबाया जा सके या फिर अपनी राजसत्ता को कायम रखने और भारत की खनिज संपदा को खोदकर ले जाने के लिए एक-दो रेल लाइन डाली जो कि उनकी अपनी मजबूरी थी।

आजादी के बाद भी यह अंचल राज्य सरकारों और केंद्र सरकारों की उपेक्षा का शिकार रहा क्योंकि यहां का नेतृत्व कभी भी अपने दल की केंद्रीय सत्ता को न समझा सका, ना मना सका और ना ललकार सका। सरकारों में हिस्सेदारी भी बहुत सीमित रही और अप्रभावी जैसी रही। अभी भी स्थिति यह है कि बुंदेलखंड में अनेकों नदियां हैं, परंतु बुंदेलखंड सूखा और भूखा है। ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हैं मगर अंचल को पर्यटन का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा।

रोजगार और काम धंधा के नाम पर सुखी खेती और पत्थर खदान हैं, जिसके परिणाम स्वरूप प्रतिवर्ष लाखों लोग पलायन करने को लाचार होते हैं। भले ही बुंदेलखंड की आबादी देश की आबादी का लगभग 6 फीसद हो परंतु राष्ट्र के बजट में उसकी हिस्सेदारी 0.3 फीसद ही है। इसी प्रकार भारत के 80000 किलोमीटर रेल पथ में बुंदेलखंड के हिस्सेदारी 1 फीसद से भी कम है। झांसी रेल मंडल, देश के सबसे पुराने रेल मंडलों में से है और बीना बहुत पुराने जंक्शनों में है। इसके बावजूद भी बीना रेल मंडल और झांसी रेलवे का जोन नहीं बन सका। तेंदूपत्ता और बीड़ी उद्योग लगभग बंदी के कगार पर है, परंतु अपार संभावनाओं के बावजूद खाद्य प्रसंस्करण के कारखाने स्थापित नहीं हुए। बुंदेलखंड की समस्या को लेकर प्रतिवर्ष सैकड़ों लोग दिल्ली के जंतर मंतर पर आते हैं। अपनी आवाज पहुंचाते हैं, परंतु केंद्र और राज्य की सरकार कान और आंखें बंद कर मूक बनी रहती है। हालांकि, यह भी सही है कि बुंदेलखंड की जनता अपने प्रति होने वाले राजकीय भेदभाव और पिछड़ेपन को लेकर मुखर नहीं होती और कोई संघर्ष नहीं करना चाहती। डॉ. हरिसिंह गौर जैसे शिक्षा-दानी और मेजर ध्यानचंद जैसे राष्ट्रवादी खिलाड़ी, आज तक, भारत रत्न के हकदार नहीं हो सके।

महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी ने जन सहयोग से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी और उन्हें भी लगभग 70 वर्षो के बाद भारत रत्न से विभूषित तब किया जा सका जब नरेन्द्र मोदी बनारस से चुनाव लड़कर जीते। राज्य सत्ता और उपाधियों का संबंध इससे समझा जा सकता है, परंतु, डॉ. हरिसिंह गौर जिन्होंने, 1946 में उस पिछड़े और गरीब अंचल में अपनी संपूर्ण कमाई को लगाकर बगैर किसी व्यक्ति या सरकार से सहयोग लिये विश्वविद्यालय की स्थापना की, उन्हें भारत रत्न नहीं मिल सका। इसी प्रकार मेजर ध्यानचंद जो न केवल हॉकी के जादूगर थे-अपराजेय थे बल्कि एक ऐसे राष्ट्रभक्त थे कि जिन्होंने जर्मनी में हिटलर जैसे तानाशाह को स्पष्ट उत्तर दिया था कि मैं भारतीय हूं और केवल भारत के लिए खेलूंगा। उन्हें भी भारत रत्न नहीं मिल सका। ललितपुर में एक्सप्लोसिव और मेडिसिन डिपो बनना थे, जो नहीं बने। सागर एक बहुत बड़े लंबे क्षेत्र का सैन्य क्षेत्र रहा है, परंतु रक्षा उत्पादन का कोई भी कारखाना सागर में नहीं खुला। यहां तक कि जिस डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा हाल ही में प्रधानमंत्री जी ने की है वह भी झांसी से आगे ललितपुर सागर होकर जबलपुर तक नहीं जा सका। बुंदेलखंड की विभूतियों डॉ. हरिसिंह गौर, मेजर ध्यानचंद और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जीवनियाँ सरकारी पाठ्यक्रम में स्थान नहीं पा सकीं।

अपने राजनीतिक लक्ष्य और वोट के खेल के लिए सरकारें नई रेल लाइनें बिछा रही हैं, मगर लगभग 17 वर्षो से स्वीकृत और 7 वर्षो से संपूर्ण योजना के रूप में तैयार, रेल लाइनों को पैसा नहीं दिया जा रहा। बुंदेलखंड के सागर मंडल की दो करोड़ आबादी को दक्षिण से जोड़ने के लिए कोई सीधी रेल नहीं है, जबकि बुंदेलखंड के हजारों विद्यार्थी पढ़ने के लिए और जनता इलाज के लिए नागपुर, हैदराबाद, बंगलुरू और चेन्नई जाते हैं। दरअसल, बुंदेलखंड के पिछड़ेपन की वजह सरकारों की भेदभाव-पूर्ण नीति है। जहां से प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बन जाते हैं, सरकारों के बजट बजट की गंगा उसी दिशा में मुड़ जाती है। इस क्षेत्रीय अन्याय के विरु द्ध खड़े होना हर भारतीय का दायित्व है। अब तो सरकारों को बाध्य करना चाहिए कि, वह हर क्षेत्र को आबादी के समतुल्य, केंद्र और राज्यों के बजट में हिस्सेदारी देने का कानून बनाएं तथा जो क्षेत्र 75 वर्ष से उपेक्षित और पीछे रह गए हैं उन्हें विशेष बजट अनुदान देकर बराबरी पर आने और लाने की नीति बनाएं।

संक्षेप खबर

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार में मामूली गिरावट, सेंसेक्स 19 अंक टूटा

मुंबई,। वैश्विक बाजार की गिरावट के प्रभाव से स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, ऊर्जा, आईटी, तेल एवं गैस, रियल्टी और टेक समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन भी गिरकर बंद हुआ।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 18.82 अंक फिसलकर 60672.72 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 17.90 अंक उतरकर 17826.70 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.21 प्रतिशत टूटकर 24,604.43 अंक और स्मॉलकैप 0.31 प्रतिशत गिरकर 27,914.41 अंक पर रहा।इस दौरान बीएसई में कुल 3601 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1991 में बिकवाली जबकि 1463 में लिवाली हुई वहीं 147 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 30 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष 20 में तेजी रही।बीएसई के चौदह समूहों में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 0.48, सीडी 0.29, ऊर्जा 0.43, वित्तीय सेवाएं 0.07, हेल्थकेयर 0.26, आईटी 0.83, दूरसंचार 0.44, ऑटो 0.28, बैंकिंग 0.10, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.28, धातु 0.26, तेल एवं गैस 0.52, रियल्टी 1.03, टेक 0.82 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.82 प्रतिशत कमजोर रहे।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिकवाली हुई। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.26, जर्मनी का डैक्स 0.38, जापान का निक्केई 0.21 और हांगकांग का हैंगसेंग 1.71 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.49 प्रतिशत की तेजी रही।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आज भी स्थिर रहीं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्ताहांत पर लंदन ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत उतरकर 83.14 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.07 प्रतिशत की गिरावट लेकर 76.29 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।देश में पांच महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

2047 तक सबका बीमा करने के लिए अधिक बीमा कंपनियों, उत्पादों की जरूरत: इरडा

मुंबई। वर्ष 2047 तक सभी का बीमा करने के लिए भारत को अधिक संख्या में बीमा कंपनियों, उत्पादों की व्यापक श्रृंखला और अधिक वितरण भागीदारों की जरूरत है। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने मंगलवार को यह बात कही।उन्होंने यहां भारतीय निजी इक्विटी एवं उद्यम पूंजी संघ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीमा क्षेत्र को दो दशक पहले खोला गया था और बाजार बहुत बड़ा हो गया है, लेकिन अभी भी इसमें तेज वृद्धि के लिए बहुत अधिक गुंजाइश है।उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में हर साल 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, फिर भी 2021 में बीमा प्रसार 4.2 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा बहुत कम है और इसे बढ़ाने की जरूरत है।पांडा ने कहा, ''हमारा 1.4 अरब आबादी वाला विविधता से भरा देश है। यहां एक उत्पाद सभी के लिए सही नहीं हो सकता है। इसकी जगह हमें अनूठे उत्पादों की जरूरत है, जो बेहद अमीर और साथ ही बेहद गरीब, दोनों की बीमा जरूरतों को पूरा कर सकें।उन्होंने कहा कि इस मांग को आज 70 कंपनियों तक सीमित उद्योग द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता है। पांडा ने कहा, ''इसलिए, हमें 2047 तक सभी का बीमा करने के लिए अधिक संख्या में बीमा कंपनियों, उत्पादों की व्यापक श्रृंखला और अधिक वितरण साझेदारों की जरूरत है।''

गोयल ने बिजली उद्योग से बड़े निर्यात लक्ष्य तय करने को कहा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को बिजली उद्योग से बड़े निर्यात लक्ष्य तय करने और उस दिशा में काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र ने 10 अरब डॉलर का निर्यात किया है और अगले पांच साल में इसे बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने का लक्ष्य है।गोयल ने बिजली उद्योग के एक कार्यक्रम में कहा, ''मैं इस प्रदर्शन से बेहद खुश हूं और साथ ही दुखी भी हूं। 'ये दिल मांगे मोर'ज बिजली उद्योग भारत को विश्वस्तर पर गौरवान्वित करता है। वक्त आ गया है कि दुनिया हमारा मंच बन जाए। हमें केवल विकासशील देशों में नहीं, बल्कि दुनिया के विकसित हिस्से में भी प्रदर्शन करना है।''उन्होंने उद्योग जगत को अन्य देशों के साथ यूरोप और अमेरिका में प्रदर्शनियां आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, ''हमें सीधे बड़े बाजारों में जाना चाहिए और वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति तथा विश्वस्तरीय गुणवत्ता मानकों का प्रदर्शन करना चाहिएज हमें दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि भारत उनकी सभी ऊर्जा जरूरतों में एक भरोसेमंद भागीदार हो सकता है।'' गोयल ने उद्योग से उत्पाद की गुणवत्ता पर खासतौर से ध्यान देने को कहा।

बिजली मंत्रालय ने आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों से पूरी क्षमता पर काम करने को कहा

नई दिल्ली। बिजली मंत्रालय ने सभी आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों से 16 मार्च से 15 जून तक पूर्ण क्षमता पर काम करने को कहा है। इस साल बिजली की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए यह निर्देश दिया गया है।विद्युत अधिनियम की धारा 11 के तहत उत्पादन और आपूर्ति के लिये जारी आदेश 16 मार्च, 2023 से 15 जून, 2023 के लिये है। यह नोटिस आयातित कोयले का उपयोग करने वाले 15 बिजलीघरों को भेजा गया है।उल्लेखनीय है कि मंत्रालय ने पिछले साल मई में भी इन बिजलीघरों के लिये पूर्ण क्षमता पर काम करने को लेकर आदेश जारी किये थे।इन 15 आयातित कोयला आधारित बिजलीघरों में गुजरात के मुंदड़ा में टाटा पावर और अडाणी पावर के संयंत्र, सलाया (गुजरात) में एस्सार पावर बिजलीघर, जेएसडब्ल्यू रत्नागिरी, टाटा ट्रॉम्बे, उडुपी पावर (कर्नाटक), मीनाक्षी एनर्जी (आंध्र प्रदेश) और जेएसडब्ल्यू तोरांगल्लू (कर्नाटक) शामिल हैं।देश में बिजली की अधिकतम मांग 2,30,000 मेगावॉट पर पहुंचने का अनुमान है।केंद्रीय बिजली सचिव आलोक कुमार ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि सरकार 2,30,000 मेगावॉट बिजली की मांग को पूरा करने के लिये हरसंभव कदम उठाएगी। अप्रैल, 2023 में मांग इस स्तर पर पहुंचने का अनुमान है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 26 अप्रैल, 2022 को बिजली की अधिकतम मांग 2,01,066 मेगावॉट पर पहुंच गई थी।कोयला आधारित बिजलीघरों को भेजे गये नोटिस में कहा गया है, ''इस साल अप्रैल में बिजली की अधिकतम मांग 2,29,000 मेगावॉट पहुंचने का अनुमान है। इस मांग को पूरा करने के लिये तापीय बिजलीघरों से 1,93,000 मेगावॉट बिजली की जरूरत होगी।''

रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसा लुढ़ककर 82.76 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तीन पैसे टूटकर 82.76 के भाव पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से रुपये की गिरावट सीमित रही और वह सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.76 के भाव पर कमजोर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की कमजोरी को दर्शाता है। पिछले कारोबारी दिवस पर, सोमवार को रुपया 82.73 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत चढ़कर 104.05 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.11 प्रतिशत गिरकर 83.14 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

जी–20 एफएमसीबीजी की बैठक बेंगलुरु में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की जी-20 की अध्यक्षता के अंतर्गत जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की पहली बैठक के साथ ही 22 फरवरी से बेंगलुरु में वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों (एफसीबीडी) की दूसरी बैठक आयोजित की जा रही है।

एमएमसीबीज की यह पहली बैठक है जो 24-25 फरवरी, 2023 को होगी जिसकी संयुक्त अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास करेंगे। जी-20 एफएमसीबीजी की बैठक से पहले 22 फरवरी, 2023 को जी-20 के वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों (एफसीबीडी) की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसकी सह-अध्यक्षता आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर डॉ. माइकल डी पात्रा द्वारा की जाएगी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर जी-20 एफसीबीडी की बैठक का उद्घाटन करेंगे।

श्री सेठ ने आज संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुये कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 एफएमसीबीजी की पहली बैठक में जी-20 सदस्यों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों, आमंत्रित सदस्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों की सहभागिता होगी। कुल मिलाकर, 72 से अधिक प्रतिनिधिमंडल इस बैठक में भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता ने बैठक की कार्यसूची को कुछ इस प्रकार तैयार किया है जो कुछ प्रमुख वैश्विक आर्थिक मुद्दों के समाधान के लिए व्यवहारिक और सार्थक दृष्टिकोण को लेकर मंत्रियों और गवर्नरों के बीच सार्थक विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दे सकती है।

श्री सेठ ने कहा कि यह बैठक 24-25 फरवरी को तीन सत्रों में आयोजित की जाएगी, जिसमें 21वीं सदी की साझा वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करना, लचीला वित्तपोषण, समावेशी और टिकाऊ %भविष्य के शहर%, वित्तीय समावेशन और उत्पादकता लाभ को उन्नत करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) का लाभ उठाने जैसी मुद्दों को शामिल किया जाएगा। इस सत्र में वैश्विक अर्थव्यवस्था, वैश्विक स्वास्थ्य और अंतर्राष्ट्रीय कराधान से संबंधित मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा।

जी-20 एफएमसीबीजी की बैठक में चर्चा का उद्देश्य वर्ष 2023 में जी-20 वित्तीय ट्रैक के विभिन्न कार्यप्रवाहों के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करना है।

इन बैठकों के साथ-साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, क्रिप्टो आस्तियों पर नीति परिप्रेक्ष्य और सीमा पार भुगतान में राष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों की भूमिका जैसी विषयों पर मंत्रियों, गवर्नरों, प्रतिनिधियों और अन्य प्रतिनिधि मंडल के लिए कई कार्यक्रम की योजनाएं तैयार की गई है। वित्त मंत्रियों, केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और उनके प्रतिनिधि मंडलो के लिए रात्रि भोज पर संवाद और विशेष रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जो भारत के विविध व्यंजनों व संस्कृति को दर्शाएंगे।

'वॉक द टॉकः पॉलिसी इन एक्शन शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम भ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मंत्र और गवर्नर भारतीय विज्ञान संस्थान क दौरा करेंगे और जी-20 सदस्य देशों द्वार सामना की जा रही कई चुनौतियों वे किफायती और मापनीय समाधान पर काम कर रहे प्रौद्योगिकी-नवोन्मेषकों औ उद्यमियों से बात करेंगे।मंत्रियों, गवर्नर प्रतिनिधियों और प्रतिनिधिमंडलों के स्वागत के लिए पूरे कर्नाटक में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता की यात्रा को दर्शा वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोज किया गया है।

कर्नाटक एक ऐसी भूमि है जो कल और शिल्प के विविध रूपों के साथ अपन गहरी सांस्कृतिक व कलात्मक विरासत वे लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन कर्नाटक वे सांस्कृतिक लोकाचार और विरासत क कलात्मकता और भव्यता को दर्शाता है 26 फरवरी को प्रतिनिधियों को कर्नाटक वे प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाने क अवसर प्रदान करने के लिए भ्रमण क विकल्प उपलब्ध कराया गया है।

रिलायंस कैपिटल समाधानः एनसीएलएटी ने सुनवाई पूरी की, कर्जदाताओं की याचिका पर आदेश सुरक्षित

नई दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मंगलवार को रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं की याचिका पर सुनवाई पूरी की और अपना आदेश सुरक्षित रखा।

याचिका में कर्ज में डूबी फर्म के लिए दूसरे दौर की वित्तीय बोली का अनुरोध किया गया है। कंपनी इस समय दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने अपनी दलीलें पूरी कीं और कहा कि दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत अधिकतम मूल्य हासिल करने का इरादा रहता है, लेकिन साथ ही संपत्ति के पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

रोहतगी ने तर्क दिया कि आईबीसी एक ऋण वसूली मंच नहीं है और ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) को उनकी व्यक्तिगत वसूली से परे देखना चाहिए। मुख्य ध्यान व्यवहार्यता पर होना चाहिए।

ऋणदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोमवार को कहा था कि आईबीसी का मकसद संपत्ति के मूल्य को अधिकतम करना है और सीओसी शर्तों पर बातचीत करने के लिए स्वतंत्र है

एनसीएलएटी विस्ट्रा आईटीसीएल (भारत) की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं ने एनसीएलटी के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें दिवालिया फर्म की आगे की नीलामी को रोक दिया गया है।

एनसीएलटी (राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण) की मुंबई पीठ ने दो फरवरी को कहा था कि वित्तीय बोलियों के लिए चुनौती व्यवस्था 21 दिसंबर, 2022 को खत्म हो गई है, जिसमें 8,640 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बोली टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की थी। रिलायंस कैपिटल पर करीब 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज है।

यूफ्लेक्स के दिल्ली व नोएडा सहित 64 ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने पैकेजिंग क्षेत्र की कंपनी यूफ्लेक्स के दिल्ली और नोएडा सहित देशभर में 64 ठिकानों पर छापेमारी की है। आयकर अधिकारियों ने यूफ्लेक्स के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के सिलसिले में ये कार्रवाई की।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आयकर विभाग की टीम ने कंपनी के दिल्ली, नोएडा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक स्थित कार्यालयों और संबंधित परिसरों समेत करीब 60 से 70 ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई की है। हालांकि, इस बारे में कंपनी की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। फिलहाल आयकर विभाग की टीम कंपनी के दस्तावेजों को खंगाल रही है।

उल्लेखनीय है कि यूफ्लेक्स लिमिटेड कंपनी का देशभर में कंटेनर और पैकेजिंग क्षेत्र में बड़ा कारोबार है। इसके अलावा यूफ्लेक्स पान मसाले की पैकेजिंग से संबंधित बिजनेस भी करती है।

बेहतर सेवा गुणवत्ता के लिये 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की जरूरत : सीओएआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के संगठन सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने मंगलवार को मोबाइल परिचालकों के लिये 'मिड बैंड' के 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को अलग रखने की वकालत की। 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को 5जी के लिये बेहतर और संतुलित माना जात है।सीओएआई का कहना है कि यह 5जी सेवाओं के विस्तार के लिये महत्वपूर्ण है। इसे सभी के उपयोग के मकसद से लाइसेंस के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए। इससे गुणवत्ता तथा अगली पीढ़ी की सेवाओं की लागत पर सकारात्मक असर पड़ेगा।दूरसंचार सेवाप्रदाताओं के लिये 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बेहतर और प्रभावी माना जाता है। फिलहाल 'मिड बैंड' में मौजूदा स्पेक्ट्रम दूरसंचार क्षेत्र की आवश्यकता से काफी कम है साथ ही, 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम अपने प्रसार गुणों के साथ घनी आबादी वाले क्षेत्रों, विशेष रूप से शहरी स्थानों के लिये बेहतर है।सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोचर ने संवाददाताओं को 5जी सेवाओं के लिये 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम आवंटन की आवश्यकता के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ''फिलहाल 'मिड बैंड' दायरे में स्थित 720 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम जरूरत के अनुसार पर्याप्त नहीं है। ऐसे में 'मिड बैंड' के 6गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को अलग रखने की जरूरत है।''

यूपीआई से सिंगापुर में लेन-देन की सुविधा शुरू

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और सिंगापुर के बीच मोबाइल ऐप के जरिए बैंक में यूनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से तत्काल धन भेजने की सुविधा मंगलवार से शुरू हो गयी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूपीआई सेवा की शुरूआत करने वाला सिंगापुर पहला देश भी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मौजूदगी में यह सेवा शुरू की गयी। भारत की 'यूपीआई' और सिंगापुर की 'पे नॉउ' डिजिटल भुगतान प्रणालियों को जोड़ने का औपचारिक शुभारंभ किया गया। सेवा का उद्घाटन भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास और सिंगापुर के बैंकिंग विनियामक मॉनेटरी अथॉरिटी ऑफ़ सिंगापुर (एमएएस) के प्रबंध निदेशक रवि मेनन द्वारा किया गया। दोनों देशों के बीच धन के त्?वरित और कम लागत पर हस्तांतरण को सक्षम बनाने के लिए इन दो भुगतान प्रणालियों को जोड़ा गया है। इससे सिंगापुर में भारतीय प्रवासियों, विशेष रूप से प्रवासी कामगारों और छात्रों को सिंगापुर से भारत में और भारत से सिंगापुर में तुरंत और कम लागत पर पैसे का हस्तांतरण करने में भी मदद मिलेगी। इस मौके पर दोनों प्रधानमंत्रियों ने फोन पर बात भी की। श्री मोदी ने श्री ली से आपसी हितों पर चर्चा भी की और भारत की अध्यक्षता में हो रही जी 20 देंशों की बैठक में मिलकर काम करने की इच्छा भी व्यक्त की। सिंगापुर में भारतीय मूल के करीब पौने चार लाख लोग है।

लिथियम आयन सेल, बैटरी विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना के लिए भारत को करना होगा 33,750 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई,(एजेंसी)।

सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 50 गीगावॉट के लिथियम आयन सेल और बैटरी विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को 33,750 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। एक अध्ययन में यह कहा गया।

शोध संस्थान 'काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू)' ने मंगलवार को एक स्वतंत्र अध्ययन जारी किया जिसमें कहा गया है कि 2030 तक अपने वाहन एवं ऊर्जा क्षेत्रों को कार्बन मुक्त बनाने के लिए देश को 903 गीगावॉट के ऊर्जा भंडारण की आवश्यकता होगी।

सीईईडब्ल्यू ने इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा, ''50 गीगावॉट के लिथियम-आयन सेल एवं बैटरी विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना के सरकार द्वारा तय पीएलआई लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को 33,750 करोड़ रुपये (लगभग 4.5 अरब डॉलर) तक का निवेश करना होगा।''

शोध संस्थान के ''भारत लिथियम-आयन बैटरी के विनिर्माण में स्वदेशीकरण कैसे करेगा'' शीर्षक वाले अध्ययन में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यकताएं क्या होंगी। इसके अलावा इसमें घरेलू रणनीति की एक रूपरेखा भी पेश की गई है।

इस महीने की शुरुआत में सरकार ने घोषणा की थी कि देश में पहली बार लिथियम भंडार मिला है जो जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित है और 59 लाख टन का है। बिजली से चलने वाले वाहनों में लगने वाली बैटरी में इस धातु का उपयोग किया जाता है।

सीईईडब्ल्यू में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रमुख ऋषभ जैन ने कहा, ''हरित भविष्य के लिए लिथियम भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितने कि आज तेल और गैस हैं। धातु का न केवल संरक्षण करना बल्कि देश में सेल एवं बैटरी विनिर्माण की प्रणाली स्थापित करना भी भारत के रणनीतिक हित में है।'' उन्होंने कहा कि इसकी मदद से आगे जाकर भारत के आयात में कमी आएगी।

कच्चा तेल हुआ कुछ सस्ता, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज (मंगलवार) कच्चा तेल कुछ सस्ता हुआ है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत घटकर 83.31 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 76.63 डॉलर प्रति बैरल पर है। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमत आज भी स्थिर हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये , डीजल 94.27 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये, डीजल 94.24, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर की दर पर बिक रहा है।

हरित हाइड्रोजन में कारोबारी संभावनाओं के लिए एक्मे, जापान की आईएचआई कॉरपोरेशन के बीच करार

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊज कंपनी एक्मे समूह और जापान क भारी उद्योग क्षेत्र की विनिर्माण कंपनी आईएचआई कॉरपोरेशन ने हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में कारोबारी संभावनाओं की तलाश की खाति करार किया है। एक बयान में कह गया कि इस समझौता ज्ञापन क उद्देश्य संभावित परियोजनाओं क मिलकर अध्ययन तथा आकलन करना और हरित हाइड्रोजन तथ अमोनिया मूल्य श्रृंखला म उत्पादन, साज-संभाल, परिवहन वितरण और ऊर्जा उत्पादन समेत अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवस तलाश करना है।

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी नेक्स्टवेव ने वित्तपोषण दौर में जुटाए 3.3 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिक कंपनी नेक्स्टवेव ने मंगलवार क बताया कि निजी इक्विटी कंपन ग्रेटर पेसिफिक कैपिटल के नेतृत्व में हाल में आयोजित हुए वित्तपोषण दौर में उसने 3.3 करोड़ डॉल जुटाए हैं। इसमें नेक्स्टवेव क मौजूदा वेंचर निवेशक ओरिओस वेंचर पार्टनर्स भी शामिल हुई कंपनी की योजना इस कोष क इस्तेमाल घरेलू और विदेशी बाजार में उत्पादन और बिक्री बढ़ाने वे साथ-साथ अधिग्रहण के लिए करने की है।

अपनी बात

बाड़मेर में प्रस्तावित रिफाइनरी परियोजना में लागत वृद्धि को लेकर अपना रुख अभी स्पष्ट नहीं किया

रिफाइनरी परियोजना में लागत वृद्धि का हिस्सा वहन करने पर रुख स्पष्ट नहीं कर रही राजस्थान सरकार: पुरी

बाड़मेर। एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को राजस्थान सरकार पर आरोप लगाया कि उसने बाड़मेर में प्रस्तावित रिफाइनरी परियोजना में लागत वृद्धि के अपने हिस्से को वहन करने को लेकर अपना रुख अभी स्पष्ट नहीं किया है।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि यदि राज्य सरकार लागत वृद्धि का अपना हिस्सा वहन नहीं करती है, तो परियोजना में उसका हिस्सा 26 प्रतिशत से घटाकर 16 प्रतिशत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल परिसर की लागत 42,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 72,000 करोड़ रुपये हो गई है और इस लागत वृद्धि में राज्य सरकार की हिस्सेदारी लगभग 2,500 करोड़ रुपये है।

पुरी ने कहा कि राज्य सरकार को अगस्त 2021 में लागत वृद्धि से अवगत कराया गया था लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''इस बारे में राज्य सरकार से निर्णायक जवाब का अभी इंतजार है। राज्य सरकार के अनुरोध पर मूल्य वृद्धि पर एक सर्वेक्षण किया गया है लेकिन अगर राज्य सरकार को इस हिस्से को वहन करने में परेशानी होती है तो हम इस खर्च को वहन करने के लिए तैयार हैं, और उस स्थिति में राज्य सरकार का हिस्सा 26 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत हो सकता है।'' उन्होंने कहा, 'हम इस परियोजना को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार (जीओआर) का एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें उनकी क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इस परियोजना को मार्च 2024 तक चालू किया जाना है। पहले यह समय सीमा दिसंबर 2022 थी।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि देश का कच्चा तेल आयात का मौजूदा खर्च 95,000 करोड़ रुपये है जिसमें यह परियोजना चालू होने के बाद 26,000 करोड़ रुपये की कमी आएगी। उन्होंने कहा, 'यह परियोजना पूंजीगत व्यय के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का सबसे अच्छा उदाहरण है।' उन्होंने कहा कि देश जल्द ही दुनिया के शीर्ष तीन कच्चा तेल रिफाइनरों में शामिल होने जा रहा है। शोधन क्षमता के बारे में उन्होंने कहा कि भारत में वर्तमान में प्रति दिन 25 करोड़ मीट्रिक टन की रिफाइनिंग क्षमता है और इसे बढ़ाकर 33 मीट्रिक टन प्रति दिन करने का लक्ष्य है।

महिला टी20 रैंकिंग : रिचा घोष करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंची, टॉप-20 बल्लेबाजों में पांच भारतीय खिलाड़ी

दुबई (एजेंसी)। भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष दक्षिण अफ्रीका में चल रहे सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में कुछ अच्छी पारियों की बदौलत मंगलवार को नवीनतम आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 20 में पहुंच गईं। महिला टी20 विश्व कप में वेस्ट इंडीज के खिलाफ 41 और इंग्लैंड के खिलाफ 47 रन की नाबाद पारियों ने रिचा को करियर के सर्वश्रेष्ठ 20वें स्थान पर पहुंचा दिया। वह स्मृति मंधाना (तीसरे), शेफाली वर्मा (10वें), जेमिमा रोड्रिग्स (12वें) और हरमनप्रीत कौर (13वें) के बाद शीर्ष 20 में जगह बनाने वाली पांचवीं भारतीय बल्लेबाज हैं।

न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर और पाकिस्तान की मुनीबा अली करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने वाली अन्य बल्लेबाज हैं। पार्ल में श्रीलंका के खिलाफ मैच विजयी 66 रन की पारी खेलने वाली केर 16वें स्थान पर हैं। पाकिस्तान की बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मुनीबा टी20 शतक लगाने वाली अपने देश की पहली महिला बनने के बाद 10 स्थान की छलांग से करियर के सर्वश्रेष्ठ 64वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजों में भी केर तीन स्थान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 48 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सूजी बेट्स बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 81 और श्रीलंका के खिलाफ 56 रन बनाने के बाद दो स्थान के फायदे से छठे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (छह पायदान के फायदे से 21वें स्थान पर), इंग्लैंड की एमी जोन्स (दो पायदान के फायदे से 26वें स्थान पर), आयरलैंड की ओर्ला प्रेंडरगेस्ट (आठ स्थान के सुधार के साथ 38वें स्थान पर) और श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रम (चार स्थान के सुधार के साथ 39वें स्थान पर) को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

पाकिस्तान की हरफनमौला खिलाड़ी निदा डार दो स्थान के फायदे से 37वें स्थान पर हैं। वह गेंदबाजी रैंकिंग में सात पायदान के फायदे से 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत की नई गेंद की गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने इंग्लैंड के खिलाफ 15 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे वह गेंदबाजी रैंकिंग में सात स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की लिया तुहूहू चार मैच में आठ विकेट के साथ पहली बार 700 रेटिंग अंक हासिल करते हुए तीन स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया की 19 वर्षीय तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन ने अपनी किफायती गेंदबाजी से पहली बार शीर्ष 10 में प्रवेश किया है जबकि वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज भी पाकिस्तान के खिलाफ 14 रन पर दो विकेट लेकर शीर्ष 10 में पहुंच गईं। आगे बढ़ने वाले अन्य गेंदबाजों में पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल (13 स्थान के फायदे से 20वें स्थान पर), वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहरक (44 पायदान के फायदे से 28वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड की ईडन कार्सन (14 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर) शामिल हैं। ऑलराउंडरों की सूची में मैथ्यूज और एमेलिया एक-एक स्थान के फायदे से क्रमशः दूसरे और संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। निदा दो स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर हैं।

रुद्रांक्ष ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता व्यक्तिगत स्वर्ण पदक

काहिरा (एजेंसी)। गत विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल ने मंगलवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का दबदबा बनाए रखा। भारत अब प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण सहित चार पदक जीत चुका है।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रुद्रांक्ष ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में जर्मनी के मैक्समिलियन उल्बरिच को 16-8 से हराया। रुद्रांक्ष रैंकिंग दौर में भी 262.0 अंक के साथ शीर्ष पर रहे थे जबकि उल्बरिच ने 260.6 अंक जुटाए थे। इससे पहले रुद्रांक्ष ने क्वालीफिकेशन दौर में 629.3 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए रैंकिंग दौर में जगह बनाई थी।

पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में हिस्सा ले रहे अन्य भारतीय निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार और हृदय हजारिका रैंकिंग दौर में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गए। भारतीय निशानेबाजों ने सोमवार को मिश्रित टीम एयर पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे।

आर नर्मदा नितिन और रुद्रांक्ष ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। रविवार को व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले वरूण तोमर ने इसके बाद रिदम सांगवान के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

अश्विन, पुजारा और अय्यर बन सकते हैं उपकप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को खराब फार्म के कारण टीम की उपकप्तानी से हटा दिया गया है। ऐसे में अगले दो टेस्ट मैच के लिए कप्तानी को लेकर तीन नाम सामने आये है। इसमें सबसे आगे हैं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन जबकि दूसरे नंबर पर हैं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और श्रेयस अय्यर।

अश्विन : स्पिन ऑलराउंडर अश्विन सबसे बेहतर क्रिकेट दिमाग वाले खिलाड़ी माने जाते हैं। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट का भी उन्हें अच्छा खासा अनुभव है। उनके नाम टेस्ट में 450 से ज्यादा विकेट के साथ ही 5 शतक भी हैं। उनके पास आईपीएल में कप्तानी करने का भी अच्छा अनुभव है। अश्विन पिछले 13 साल से अंतराष्ट्रीय क्रिकेट भी खेल रहे हैं। इसी वजह से उन्हें यह जिम्मेदारी मिल सकती है।

पुजारा: अनुभवी बल्लेबाज पुजारा को टेस्ट विशेषज्ञ माना जाता है। पिछले साल बांग्लादेश दौरे पर जब नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोट के कारण टेस्ट नहीं खेल पाए थे तब राहुल ने ही कप्तानी की थी। उस समय पुजारा उपकप्तान थे। 100 टेस्ट खेल चुके पुजारा ने हालांकि अभी तक टीम इंडिया की कप्तानी नहीं की है पर उन्हें अहम अवसरों पर उपकप्तानी का अनुभव है। इस कारण उन्हें यह जिम्मेदारी मिल सकती है।

अय्यर : युवा श्रेयस अय्यर का भी उपकप्तानी का दावा मजबूत हैं क्योंकि अय्यर के पास घरेलू मैचों में मुंबई के लिए कप्तानी करने के साथ ही आईपीएल में कप्तानी करने का भी अनुभव है। उन्होंने इंडिया ए की भी कप्तानी की है। वह तीनों ही प्रारुपों में खेलते हैं और उन्हें भविष्य का कप्तान बनाया जा सकता है। 23 साल की उम्र में ही दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें कप्तान बनाया था। उनकी कप्तानी में टीम 7 साल बाद प्लेऑफ में भी पहुंची थी।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की सहायता के लिए तैयार हूं : हेडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि भारतीय स्पिनरों के खिलाफ परेशानी का सामना कर रहे बल्लेबाजों की सहायता के लिए वह तैयार हैं। भारत दौरे में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा का सामना करने में नाकाम रहे हैं। हेडन के अनुसार अगर उनसे कहा जाएगा तो वह बल्लेबाजों की सहायता कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों पर पहले दो टेस्ट में भारतीय स्पिनरों ने अंकुश लगा दिया जिसके कारण वे एक के बाद एक पेवेलिन लौटने लगे। इस कारण टीम को दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने नागपुर और नई दिल्ली में रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के नेतृत्व में भारतीय स्पिनरों के खिलाफ अधिकतर विकेट खोये। हेडन ने कहा कि वह भारतीय स्पिनरों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की मदद करने के लिए खुशी-खुशी आगे आने के लिए तैयार है इसके लिए वह किसी प्रकार की फीस भी नहीं चाहते हैं।

इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''मुझे जब भी कुछ भी करने के लिए कहा जाता है तो मैं हमेशा किसी भी समय उसके लिए तैयार हूं।'' वहीं पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भी टीम प्रबंधन से हेडन की सेवाएं लेने को कहा है। हेडन ने स्टीव वॉ के नेतृत्व में 2001 के दौरे पर 110 की औसत से रन बनाए थे और 2004 में श्रृंखला जीतने वाली एडम गिलक्रिस्ट के नेतृत्व वाली टीम का भी वह हिस्सा थे। गिलक्रिस्ट की कप्तानी वाली टीम 1969 के बाद भारत में श्रृंखला जीतने वाली एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई टीम थी। हेडन ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ समय बिताने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कोई पैसा नहीं लेंगे पर चाहते हैं कि संचालन संस्था मौजूदा खिलाड़ियों को पिछली पीढ़ी के साथ जोड़े। वहीं

ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्र्यू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि अगर खिलाड़ी मौजूदा कोचिंग स्टाफ के साथ हेडन को जोड़ना चाहते हैं तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''अगर मैथ्यू व्यक्तिगत खिलाड़ियों को फायदा पहुंचा सकता है तो मुझे भरोसा है कि वे व्यक्तिगत खिलाड़ी निश्चित रूप से उसके साथ बातचीत में शामिल होंगे।''

पेंगोग झील पर कराई गई हाफ मैराथन, गिनीज बुक में विशेष विश्व रिकॉर्ड हुआ दर्ज

लेह : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख ने 13,862 फीट ऊंची पेंगोग झील में शून्य से कम तापमान में अपनी पहली 21 किलोमीटर दौड़ का सफलतापूर्वक आयोजन करके इतिहास रचा। इसे गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दुनिया की सबसे ऊंची जमी हुई झील पर हुई हाफ मैराथन के रूप में दर्ज किया गया। भारत और चीन की सीमा पर 700 वर्ग किलोमीटर में फैली पेंगोग झील का सर्दियों के दौरान तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक होता है जिससे खारे पानी की झील बर्फ से जम जाती है। लेह जिला विकास आयुक्त श्रीकांत बालासाहेब सुसे ने 'पीटीआई' को बताया कि चार घंटे तक चली मैराथन सोमवार को लुकुंग से शुरू हुई और मान गांव में समाप्त हुई। इसमें हिस्सा लेने वाले 75 प्रतिभागियों में से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। लोगों को जलवायु परिवर्तन और हिमालय को बचाने की आवश्यकता के बारे में याद दिलाने के लिए इसका आयोजन 'लास्ट रन' के नाम से किया गया। मैराथन का आयोजन एडवेंचर स्पोर्ट्स फाउंडेशन ऑफ लद्दाख (एएसएफएल) ने लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद, पर्यटन विभाग तथा लद्दाख और लेह जिला प्रशासन के सहयोग से किया। सुसे ने कहा, ''पहली पेंगोग फ्रोजन लेक हाफ मैराथन अब आधिकारिक रूप से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गई है।'

रमीज ने भारतीय टीम के साथ ही जडेजा और अक्षर के प्रदर्शन को सराहा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम की शानदार जीत पर उसकी जमकर प्रशंसा की है। रमीज ने दोनो ही मैचों में शानदार प्रदर्शन के लिए ऑलराउंडर अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा की विशेष रुप से सराहना की है। अक्षर ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में दबाव के बीच भी 74 रन बनाकर भारतीय टीम को संभाला था जबकि जडेजा ने मैच में कुल 10 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को ढ़हा दिया था।

रमीज ने कहा, अक्षर की पहली पारी निर्णायक पारी थी। उन्होंने मैच के ऐसे समय में अश्विन के साथ एक अहम साझेदारी की, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को कम स्कोर पर आउट कर बड़ी बढ़त लेने का प्रयास कर रही थी। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम मानसिक रुप से मजबूत नहीं दिखी। उनकी बल्लेबाजी में स्पष्ट रूप से कई तकनीकी खामियां दिखीं। स्पिनरों को खेलने के लिए उनके बल्लेबाजों को कई सुधार करने होंगे। उनके बल्लेबाजी ने कई गलत शॉट भी बल्लेबाजी में लगाये थे। उन्होंने साथ ही कहा, ऑस्ट्रेलिया पर्थ या ब्रिस्बेन में उप-महाद्वीप की टीमों के साथ जिस प्रकार से पेश आता है। वैसा ही भारतीय टीम ने अपनी धरती पर उसके साथ किया है। इससे पता चलता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम की तैयारी सही नहीं थी। क्योंकि भारतीय टीम को उसी की धरती पर हराना आसान नहीं है। भारत में यह स्पिन के खिलाफ एक सामान्य प्रदर्शन था।

वार्नर बार्डर-गावस्कर सीरीज के बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों से बाहर हुए

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर बार्डर-गावस्कर सीरीज से बाहर हो गये है। वार्नर दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गये थे। वार्नर दोनो ही मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम पर प्रभाव पड़ने की कोई संभावना नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी तक इस सीरीज में पहले दोनो ही मैचों में हारी है। ऐसे में वह सीरीज में 2-0 से पीछे चल रही है और अब अंतिम दोनो मैचों में किसी प्रकार सीरीज को बराबरी पर लाना चाहेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली टेस्ट में हल्के फैक्चर के कारण वार्नर के ठीक होने में अभी समय लगेगा। दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान ही चोट लगने के बाद वार्नर की जगह पर मैथ्यू रेनशॉ को उतारा गया था। इसके बाद एक्स-रे में पता चला कि वार्नर को हल्का फैक्चर है। इसी को देखते हुए सीए ने कहा है कि वार्नर स्वदेश लौट जाएंगे और सीरीज में आगे नहीं खेलेंगे।

वहीं आगे की जांच के बाद, उन्हें रिहैबिलिटेशन की जरुरत होगी, इस कारण वह इस सीरीज जो टेस्ट श्रृंखला के शेष भाग में किसी भी तरह से शामिल नहीं होंगे। वहीं वार्नर के एकदिवसीय सीरीज में शामिल होने की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं क्योंकि सीए ने एकदिवसीय सीरीज में उनकी अनुपलब्धता को लेकर कोई बात नहीं कही है।

भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को शूट आउट में हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने दौरे के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका की अंडर-21 टीम के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज की। अंडर-21 दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ अपने सभी मैच जीतने के बाद भारत अब मेजबान देश की 'ए' टीम से दो मैच खेलने की तैयारी कर रहा है।

नियमित समय में दोनों टीम गोल करने में नाकाम रही जिसके कारण शूट आउट का सहारा लिया गया जिसमें भारतीय टीम ने 4-3 से बाजी मारी। दक्षिण अफ्रीका दौरा महत्वपूर्ण अंडर-21 एशिया कप के लिए टीम की तैयारियों का हिस्सा है जो आगामी एफआईएच महिला हॉकी जूनियर विश्व कप का क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है। भारतीय टीम 24 और 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दो मैच खेलेगी जहां मेहमान टीम का लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखना होगा।

हरमनप्रीत कौर ने हासिल की खास उपलब्धि, अब तक रोहित-विरोट को भी है इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 इंटरनेशनल में खेलते हुए इतिहास रच दिया है। हरमनप्रीत कौर ने टी20 इंटरनेशनल में खेलते हुए अपने करियर के 3000 रन तब पूरे किए जब वो सेमीफाइनल की जंग लड़ते हुए आयरलैंड के खिलाफ मैदान में खेल रही थी।

इसी के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारतीय पुरुष टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार खिलाड़ी विरोट कोहली को भी पछाड़ दिया है। हरमनप्रीत कौर ने टी20 फॉर्मेट में कुल 150 मुकाबले खेल लिए है। जबकि विराट और रोहित शर्मा दोनों ही हरमनप्रीत से काफी पीछे है।

हासिल की एक और उपलधि

इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने एक और उपलब्धि भी हासिल की है। हरमनप्रीत कौर ने आयरलैंड के खिलाफ

जैसे ही अपना 13वां रन लिया उन्होंने टी20 अंतर्राष्ट्रीय में अपने करियर के 3000 रन भी पूरे कर लिए। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली हरमनप्रीत तीसरी भारतीय खिलाड़ी और पहली महिला भारतीय खिलाड़ी बनी है। इनसे पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली ही ये कारनामा कर सके है।

वहीं अगर महिला खिलाड़ियों की बात करें तो इस उपलब्धि हो हासिल करने वाली वो चौथी महिला खिलाड़ी बन गई है। उनसे पहले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स, ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग और वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर भी टी20 में 3000 रन बना चुकी है। बता दें कि न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स टी20 में 3820 रन बना चुकी है। जबकि मेग लेनिंग ने 3346, स्टेफनी टेलर ने 3166 और हरमनप्रीत कौर ने 3006 रन बनाए है।

150 मुकाबले खेलने वाली खिलाड़ी बनी

इसी के साथ हरमनप्रीत कौर ने एक और उपलब्धि हासिल की है। टी20 इंटरनेशनल खेलने में भी हरमनप्रीत अव्वल है। टी20 इंटरनेशनल में 150 मुकाबले खेलने वाली हरमनप्रीत दुनिया की पहली खिलाड़ी है। उनसे पहसे ये कारनामा कोई खिलाड़ी नहीं कर सका है। आयरलैंड के खिलाफ हरमनप्रीत का 150 वां टी20 इंटरनेशनल मुकाबला था। उनसे पीछे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा है जिन्होंने 148 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले है।

कतर के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी भारत की अंडर-17 फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 फुटबॉल टीम एएफसी अंडर-17 एशियाई कप की तैयारियों के सिलसिले में 27 और 28 फरवरी को कतर के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। बिबियानो फर्नांडीस के कोचिंग वाली भारतीय टीम ने पिछले साल एएफसी अंडर-17 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया था और वह नवंबर से गोवा में अभ्यास कर रही है। भारतीय टीम ने पिछले महीने यूएई अंडर-20 और उज्बेकिस्तान की अंडर-17 टीम के खिलाफ मैत्री मैच खेले थे।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर :साहिल, जुल्फिकार गाजी, तजामुल इस्लाम। डिफेंडर- रिकी मीतेई हाओबाम, सूरजकुमार सिंह नगंगबम, मनजोत सिंह धामी, मुकुल पंवार, मालेमंगंबा सिंह थोकचोम, परमवीर। मिडफील्डर- वनलालपेका गुइटे, डैनी मेइतेई लैशराम, गुरनाज सिंह ग्रेवाल, आशीष, कोरू सिंह थिंगुजम, लालपेखलुआ, हुजफाह अहमद डार, फैजान वहीद, आकाश तिर्की, प्रचित गांवकर। फारवर्ड- अमन, थंगलासून गंगटे, शाश्वत पंवार, गोगोचा चुंगखाम।

महिला प्रो गोल्फ टूर : अमनदीप और वाणी पहले दौर के बाद शीर्ष दो स्थानों पर

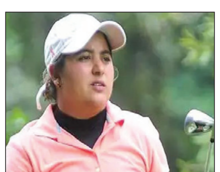

कोलकाता। अमनदीप द्राल और वाणी कपूर ने क्रमशः एक अंडर 69 और ईवन पार का स्कोर बनाकर मंगलवार को यहां महिला प्रो गोल्फ टूर के चौथे चरण में अच्छी शुरुआत की। यह दोनों स्टार खिलाड़ी पहले दौर के बाद शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं। श्वेता मानसिंह ने भी अच्छी शुरुआत की तथा वह एक ओवर 71 का कार्ड खेलकर आस्था मदान और खुशी खानिजौ के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है। पिछले सप्ताह की उपविजेता जसमीन शेखर, नेहा त्रिपाठी, सहर अटवाल और जेनिया डासनी संयुक्त छठे स्थान पर हैं। इन सभी ने दो ओवर 72 का स्कोर बनाया।

विश्व शतरंज ट्रेनर कमीशन के महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे भारत के विशाल सरीन

नई दिल्ली । भारत के प्रसिद्ध शतरंज प्रशिक्षक और इंटरनेशनल मास्टर और फीडे सीनियर ट्रेनर विशाल सरीन को विश्व शतरंज संघ नें विश्व ट्रेनर कमीशन में काउन्सलर के पद पर पदोन्नित किया है । यह सम्मान पाने वाले वह पहले भारतीय ट्रेनर है । ज्ञात हो की पूर्व विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियन ग्रांड मास्टर अभिजीत गुप्ता और प्रसिद्ध महिला शतरंज ग्रांड मास्टर तानिया सचदेव के कोच विशाल सरीन कई मौको पर भारतीय टीम के कोच भी रहे है । इससे पहले विशाल ट्रेनर कमीशन में एक सदस्य के तौर पर शामिल थे । विश्व ट्रेनर कमीशन में एक चेयरमैन ,एक सेक्रेटरी और चार काउन्सलर होते है जबकि 13 सामान्य सदस्य होते है । विशाल के अलावा मोरक्को के अदनानी मोकलिस ,यूएसए के मेलिकेस्त खचियान और रूस के मिखाइल कोबालिया को भी काउन्सलर के पद पर नियुक्त किया गया है ।

सानिया-शोएब तलाक की चर्चा के बीच आयशा उमर ने दिया चौंकाने वाला बयान, बताया किस व्यक्ति से होती हैं आकर्षित

मुंबई (एजेंसी)। भारत में टेनिस के खेल को नई पहचान देने वाली खिलाड़ी सानिया मिर्जा इन दिनों अपने पाकिस्तानी क्रिकेटर पति शोएब मलिक के साथ रिश्ते को लेकर काफी चर्चा में है। दोनों के तलाक को लेकर चर्चा लगातार जारी है। लंबे समय से कहा जा रहा है कि सानिया मिर्जा और शोएब मलिक साथ नहीं रहते है। दोनों के रिश्ते में दरार आ चुकी है।

इसके पीछे आमतौर पर पाकिस्तानी मॉडल आयशा उमर को जिम्मेदार ठहराया जाता है। रिपोर्ट्स का कहना है कि सानिया मिर्जा और शोएब मलिक के रिश्ते में दरार आयशा उमर के कारण आई है क्योंकि शोएब आयशा के काफी नजदीक हो गए है। आयशा और शोएब ने कुछ वर्षों पहले एक फोटोशूट कराया था जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की बात सामने आई थी। दोनों का फोटोशूट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। कहा जाता है कि ये फोटोशूट ही दोनों के रिश्ते में दरार का कारण था।

इसी बीच पाकिस्तानी एक्टर और सिंगर आयशा उमर ने बयान दिया है। सानिया और शोएब के तलाक के संबंध में उन्होंने जो कहा है उसने सभी के होश उड़ा दिए है। आयशा ने शोएब के साथ अपने नाम जुड़ने को लेकर पहली बार साफतौर पर बयान साझा किया है। इसके मुताबिक सानिया के पति शोएब के बारे में आयशा ने कहा कि वो शादीशुदा मर्दों के प्रति आकर्षित नहीं होती। शोएब अख्तर के शो में हाल ही में नजर आने वाली आयशा उमर ने इस संबंध में खुलासा किया है।

बता दें कि आयशा उमर से इससे पहले भी कई बार शोएब और अपने रिश्ते के बारे में कई बाते पूछी गई हैं मगर वो इन सवालों को हर बार नजरअंदाज करती दिखी है। मगर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के शो में आयशा ने हर सवाल का शानदार तरीके से जवाब दिया और सानिया शोएब के बीच आई दरार का कारण खुद को होने से इंकार किया।

जानकारी के मुताबिक शोएब अख्तर ने सानिया और शोएब मलिक के रिश्ते को लेकर आयशा से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि आपने बड़ा ही रिविलिंग फोटोशूट करवाया है मलिक के साथ... इसके जवाब में आयशा ने कहा कि ऐसा कौन बोला। वहीं शोएब अख्तर ने कहा कि ये जानकारी तो दुबई के किसी खबरी की बदौलत मिली है। इसके जवाब में आयशा ने शोएब अख्तर को चुप करा दिया। उन्होंने कहा कि पूरी इंडस्ट्री में ये बात पता है कि मैं शादीशुदा पुरुषों की तरफ आकर्षित नहीं होती है। अगर कोई पुरूष किसी के साथ रिश्ते में है तो भी मैं उस व्यक्ति से आकर्षित नहीं होती हूं।

शादी करने को इच्छुक है आयशा

इस दौरान आयशा ने ये भी बताया कि वो जल्द से जल्द शादी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैं मां बनना चाहती हूं, और जल्द ही शादी करना चाहती हूं। अब तक मैं ना ही शादी के लिए और ना ही बच्चे के लिए तैयार थी मगर अब मैं तैयार हूं। मेरी इच्छा है कि मैं शादी करूं और बच्चों को गोद लूं। मैं खुद भी बच्चे की मां बनना चाहूंगी। बता दें कि 41 वर्षीय आयशा उमर अब तक कई सीरियल और फिल्मों में नजर आ चुकी है। आयशा अब तक अविवाहित है।

रिफ्यूजी गाने की रिकॉर्डिंग के समय मैं डिप्रेशन में थी

की जाने वाली आर्टिस्ट बनीं हैं। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में अलका ने अपने एवरग्रीन गाने 'एक दो तीन' पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें ये गाना बिल्कुल पसंद नहीं आया था। साथ ही रिकॉर्डिंग से ठीक एक पहले अलका का गला पूरी तरह से खराब हो गया था। उन्हें आज भी अपने इस गाने में कई कमियां नजर आती हैं। फिल्म कम्पैनियन से बातचीत के दौरान अलका ने फिल्म तेजाब के गाने 'एक दो तीन' को याद करते हुए कहा- 'यह गाना लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल जी का है। जब मैं उनके पास पहुंची, तो उन्होंने मुझसे कहा- लिखो एक दो तीन चार पांच छह सात' गाने की ये लाइन सुनकर मैं हैरान हो गई। मैंने सोचा कि ये मेरे साथ क्या मजाक कर रहे हैं। लेकिन मैं उनसे कुछ बोल नहीं पाई। मुझे उनसे डर लगता था, तो में चुपचाप उनकी बातें सुनती गई।' अलका ने आगे कहा- 'मैंने दूसरी लाइन लिखी, फिर तीसरी लाइन। कुछ लाइनें लिखने के बाद गाने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया। मुझे लगा ये गाना तो कमाल का है, बाद में गाना गाकर मुझे मजा आया।'

दीवार से सटकर गाया पूरा गाना

गाने की रिकॉर्डिंग का किस्सा बताते हुए अलका ने कहा- गाने के लिए लक्ष्मीकांत- प्यारे लाल को 60 लोगों के कोरस की जरूरत थी। रिकॉर्डिंग महबूब स्टूडियो में होने वाली थी, जहां ज्यादा जगह नहीं थी। इसलिए मैंने दीवार से सटकर पूरा गाना रिकॉर्ड किया।

मैं इस गाने से निराश हुई थी

अलका ने बताया- 'मैं इस गाने को पूरा करने के बाद भी संतुष्ट नहीं थी। मैंने लक्ष्मीकांत जी से रिक्वेस्ट की कि उन्हें फिल्म के गाने को फिर से रिकॉर्ड करने दें, लेकिन वो नहीं माने। मैं आज भी जब ये गाना सुनती हूं, तो उसकी खामियां नजर आती हैं। मुझे लगता है कि गाने के कुछ हिस्सों पर बेहद काम हो सकता था।'

पिता के निधन की वजह से हुआ था डिप्रेशन

फिल्म रिफ्यूजी के गानों को याद करते हुए अलका ने कहा- 'जब फिल्म के गाने रिकॉर्ड किए जा रहे थे तो उस वक्त मैं डिप्रेशन में थी। मेरे पिता का निधन हुआ था। रिकॉर्डिंग के लिए फोन आते रहते थे, लेकिन मैंने मां से बोल दिया था कि मुझे रिकॉर्ड नहीं करना। मां मुझे सलाह देती थी कि ट्रॉमा से बाहर निकलकर काम करना जरूरी है।

अनु मेरे घर बाहर धरना देने बैठ गए

कंपोजर अनु मलिक ने मुझे कई बार कॉल किया, जब मैंने कॉल नहीं उठाया तो वो मेरे घर के बाहर धरना देने बैठ गए।' अनु ने कहा- अगर तुम गाना नहीं गाओगी तो मैं रिकॉर्ड नहीं करूंगा। तुम्हें ये गाने रिकॉर्ड करने पड़ेंगे। मैं उनसे मना करती रही। लेकिन मां ने बोला कि कम से कम स्टूडियो तो जाओ।'

डिप्रेशन के फेस में दिए कई हिट गाने

अनु मुझे अपने साथ स्टूडियो लेकर गए और बोले- तुम्हें ये गाने रिकॉर्ड करने होंगे। मैंने गाने याद किए और रिकॉर्डिंग के लिए गई। यकीन नहीं होता कि उसके बाद मैं सब कुछ भूल गई। अलका बताती हैं कि उन्होंने कई बेहतरीन गाने डिप्रेशन के फेज में गाए हैं।

सोनू सूद के नाम पर रखा गया भारत की सबसे बड़ी थाली का नाम

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कोरोनाकाल में लोगों की दिल खोलकर मदद की है। अपने नेक कामों की वजह से सोनू सूद ने फैंस के दिलों में खास जगह बनाई है। आम जनता के मसीहा, सोनू सूद को एक बार फिर रेस्तरां ने सम्मानित किया गया है। हैदराबाद के कोंडापुर के पास स्थित गिस्मत जेल मंडी ने सबसे बड़े दिल वाले व्यक्ति के लिए उनकी सभी 17 शाखाओं में भारत की सबसे बड़ी प्लेट सोनू सूद प्लेट लॉन्च की है। सोनू सूद ने जिस्मत जेल मंडी रेस्तरां की भोजन के क्षेत्र में इस तरह के एक अभिनव विचार के साथ आने के लिए सराहना की, जो लोगों के बीच खुशी को बढ़ाएगा। रेस्तरां के संस्थापक गौतमी चौधरी ने यह भी कहा कि इसका नाम अभिनेता सोनू सूद के नाम पर रखा गया है क्योंकि अभिनेता का दिल बड़ा है। सोनू सूद की थाली की बात करें तो इसमें एक परिवार के 12 सदस्य एक साथ दावत का मजा ले सकते हैं। इसमें कई तरह के व्यंजन भी होते हैं जो हमें मदहोश कर देते हैं। यह अनोखा कांसेप्ट पहले ही आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जबरदस्त सफलता प्राप्त कर चुका है। परिवारों ने सोनू सूद की थाली खाने के लिए रेस्तरां में भीड़ लगा दी है और मन लगाकर इसका आनंद लिया जा रहा है। लॉन्च के समय, अभिनेता की एक झलक पाने, सेल्फी क्लिक करने और उनके लगातार किए जा रहे मानवीय कार्यों के लिए धन्यवाद देने के लिए प्रशंसक रेस्तरां में मौजूद थे।

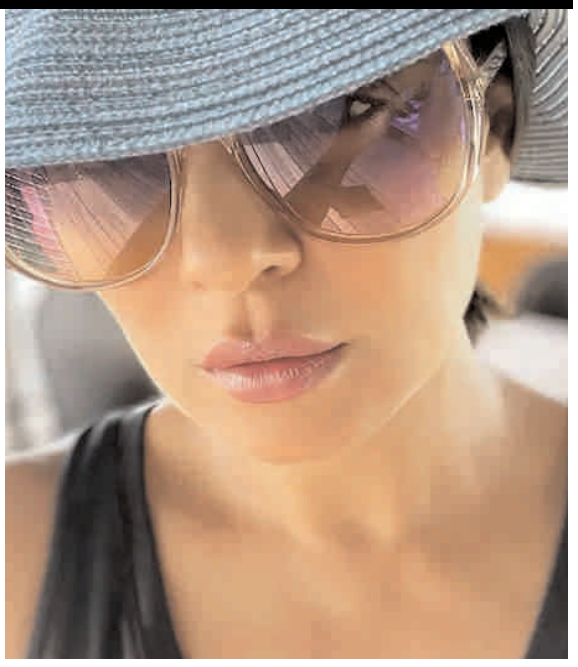

जिंदगी से हार मान चुकी फैन की सुष्मिता ने बढ़ाई हिम्मत

बी-टाउन की मशहूर एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी एक्टिंग के अलावा लाइफस्टाइल और पर्सनल चॉइस के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस अपने असूलों पर जिंदगी जीती हैं, उनका यही अंदाज उनके कई फैंस को खूब पसंद है। हाल ही में जब जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रही एक फैन ने एक्ट्रेस से कुछ सुझाव मांगे तो सुष्मिता ने बड़े तरीके से अपनी प्रशंसक को जवाब दिया और उसकी हि्मत बढ़ाई। दरअसल, सुष्मिता सेन की फैन अपनी जिंदगी में एक मुश्किल दौर से गुजर रही है। ऐसे में उन्होंने एक्ट्रेस से कुछ सुझाव मांगे। सुष्मिता सेन ने भी बड़े करीने से अपनी प्रशंसक को जवाब दिया और हिम्मत बढ़ाई। दरअसल, सुष्मिता सेन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उनका लुक कमाल का लग रहा है। इस फोटो को शेयर कर एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इतवार की सुबह शूटिंग के लिए जाने का अपना अलग ही आकर्षण है। जीरो ट्रैफिक...आई लव यू गाइज! सुष्मिता के इस पोस्ट पर यूजर्स उनकी खूब तारीफ करते नजर आए। इसी में से एक फैन ने सुष्मिता से सलाह मांगी। यूजर ने लिखा, आपके सिर्फ टाइगर वाले टैटू को छोड़कर मैंने हर वो टैटू अपने शरीर पर बनवाया है, जो आपने बनवाया। मैम आज मैं बेहद अकेलापन महसूस कर रही हूं। मैं आपकी तरह बेहद मजबूत हूं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती आई हूं। लेकिन, आज मैंने सुसाइड करने की कोशिश की। मैं एक शख्स से प्यार करती हूं। मैं अमेरिका में हूं और अमेरिकी नागरिक हूं। पेशे से अकाउंटेंट हूं। मेरी एक बेटी है। मैं तलाक नहीं दे सकती। मेरे पति ने धोखा दिया है और मेरे खिलाफ केस दायर किया है। मैं ऐसा नहीं चाहती। मेरी जिंदगी का सवाल है। बताइए कि मुझे क्या करना चाहिए? फैन को मुसीबत में देख सुष्मिता ने भी उसकी हिम्मत बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक्ट्रेस ने लिखा, माय शोना...मैं तुहारा दर्द महसूस कर सकती हूं। प्लीज समझो कि भगवान के पास तुम्हारे लिए कोई सॉलिड प्लान है। तुम्हारा दर्द समझने में मैं थोड़ी लेट हो गई, लेकिन मैं इससे इनकार नहीं कर सकती। तुम मजबूत बनी रहो। प्यार और जिंदगी पर यकीन रखो। अपनी बेटी को मजबूती से थामे रखो। जल्द ही तुम्हारी जीत होगी। आई लव यू! बता दें, पिछले साल सुष्मिता सेन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में रही थीं। एक्ट्रेस ने बिजनेसमैन ललित मोदी संग अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल किया था, जिसके कारण वह खूब ट्रोल हुई थी।

हॉलिवुड में नजर आने वाले हैं अनिल कपूर

अनिल कपूर हॉलीवुड स्टार जेरेमी रेनर के साथ उनकी अगली सीरीज रेनरवेशन में नजर आने वाले हैं। इस बात की अनाउंसमेंट अनिल ने खुद सोशल मीडिया के जरिए की थी। हिंदी सीरीज द नाइट मैनेजर की सफलता के बाद इस सीरीज के लिए फैंस काफी एक्साइटेड नजर आए। इसके अलावा अनिल ने स्लमडॉग मिलियनेयर, 24 और टॉम क्रूज मिशन- इम्पॉसिबल घोस्ट प्रोटोकॉल जैसी हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।

अनुपमा को अलविदा कहेंगी राखी दवे?

टीवी सीरियल 'अनुपमा' का जलवा बरकरार है. दर्शकों को ये शो काफी पसन्द आता है और यही वजह है कि हर बार टीआरपी रेस में ये सबसे आगे निकल आता है. शो में राखी दवे का रोल तसनीम शेख प्ले करती है. हालांकि शो में वो काफी समय से नजर नहीं आ रही है. जिसके बाद से फैंस कयास लगाने लगे कि कहीं उन्होंने शो छोड़ तो नहीं दिया. अब इसपर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है.

-अनुपमा को अलविदा कहेंगी राखी दवे?

अनुपमा में किजल की मां राखी दवे लंबे समय से गायब दिख रही है. शो में वो पारितोश की सास और अनुपमा की समधन का किरदार निभाती है. ईटाइम्स से बातचीत में ये बात क्लियर कर दिया कि वो शो क्विट नहीं कर रही. एक्ट्रेस ने कहा, शुरुआत में मेरा रोल दमदार था और शो में मैंने वैम्प का किरदार निभाया था. मुझे खुशी है कि प्रोडक्शन हाउस ने मुझे इस रोल के लिए चुना. मैं यह समझती हूं कि आपका ट्रैक शो में हर दिन फोकस में नहीं रह सकता. कुछ महीनों से शो में मेरा कुछ अहम काम नहीं रहा.

-तसनीम शेख ने कही ये बात

तसनीम शेख ने आगे कहा कि, वो अनुपमा में काम करना जारी रखेगी. साथ ही उनके पास अभी समय है इसलिए वो कुछ अन्य प्रोजेक्ट भी करना चाहती है. एक्ट्रेस ने बताया कि शो की क्रिएटिव टीम को इस बात से कोई प्रॉब्लम नहीं है. उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे उम्मीद है कि निर्माता अब यह नहीं मानेंगे कि मैं अनुपमा के साथ इतनी बिजी हूं कि मैं दूसरा काम नहीं कर सकती.

रश्मिका के कूल लुक का फैंस बना रहे मजाक!

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना पर हर कोई फिदा है। अनकी अदाएं और स्माइल फैंस का दिल लूट लेती हैं। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की फोटोज शेयर की। फोटो में उन्हें क्रॉप टी शर्ट पहने हुए देखा जा सकता है जिसके साथ उन्होंने रिप्पड जीन्स मैच की। उन्होंने स्टाइलिश गॉगल भी लगा रखा है और वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। रश्मिका मंदाना ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा, जब मेंरे फ्रेंड मुझसे कहते हैं, आप पोज करिए और मैं शरमा जाती हूं। उनकी फोटोज को इंस्टाग्राम पर 24 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं, फोटोज पर 11 हजार से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। रश्मिका मंदाना फिल्म एक्ट्रेस है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज और वीडियो शेयर करती है। वह फिल्म पुष्पा द राइज से काफी फेमस हुई है।

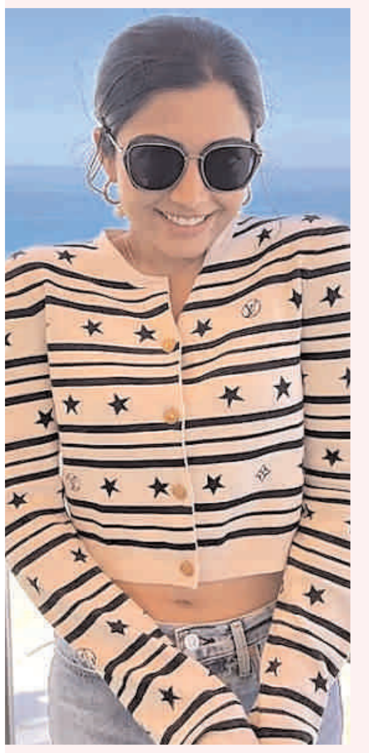

कार्तिक की ब्रांड वैल्यू को लगा करारा झटका

बॉक्स ऑफिस पर बीते साल रिलीज फिल्म 'भूल भुलैया 2' से अभिनेता कार्तिक आर्यन ने जो कुछ कमाया था, वह बीते शुक्रवार को रिलीज फिल्म 'शहजादा' में उन्होंने गंवा दिया है। और, इस फिल्म के फ्लॉप होने के साथ ही कार्तिक आर्यन अपने करियर में फिर उसी जगह पर पहुंच गए हैं जहां वह 'भूल भुलैया 2' की रिलीज से पहले थे। फिल्म 'भूल भुलैया 2' को हालांकि इसमें अभिनय करने वाली अभिनेत्री तब्बू के मंजुलिका के किरदार की वजह से खासी सफलता मिली थी लेकिन चूंकि कार्तिक ने उस फिल्म की सफलता का सारा श्रेय खुद लेने की कोशिश की थी लिहाजा अब 'शहजादा' के फ्लॉप होने की इकलौती वजह भी उनको ही माना जा रहा है। करीब 85 करोड़ रुपये की लागत से बनी फिल्म 'शहजादा' के लिए अपनी फीस कुर्बान करके कार्तिक आर्यन इस फिल्म के निर्माताओं की टीम में शामिल हुए थे। लेकिन रिलीज के पहले ही दिन फिल्म के कुल लागत के 10 फीसदी के बराबर भी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन न कर पाने पर खतरे की घंटी बज गई थी। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन छह करोड़ रुपये, दूसरे दिन 6.65 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 7.30 करोड़ रुपये के करीब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। इस तरह फिल्म के पहले वीकएंड की कमाई 20 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंचती दिख रही है।

प्रोजेक्ट के की घोषणा से चिंता में आए रामचरण

सिने इतिहास की और बड़ी फिल्म प्रोजेक्ट के के निर्माताओं ने कल इसकी प्रदर्शन तिथि की घोषणा करके एक तरफ जहाँ दर्शकों को तोहफा दिया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने सिने अभिनेता रामचरण को चिन्ताओं में डाल दिया है। प्रोजेक्ट के बिग बजट मूवी है जिसे 400 करोड़ से ज्यादा की लागत में बनाया गया है। इस फिल्म को दो भाग में प्रदर्शित किया जाएगा। निर्माताओं ने बताया है कि इसके दूसरे भाग की शूटिंग शुरू हो गई है। पहले भाग का पोस्ट प्रोडक्शन कार्य जारी है। साई-फाई फिल्म प्रोजेक्ट के की रिलीज डेट का मेकर्स ने ऐलान कर दिया है। ये फिल्म अगले साल 12 जनवरी के दिन सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने वाली है। इस फिल्म में प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन दिखाई देंगे। इस खबर के साथ ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में खलबली मच चुकी है। बाहुबली के बाद भले ही फिल्म स्टार प्रभास सिनेमा के सबसे बड़े सितारे बनकर उभरे। मगर इसके बाद से अभी तक वो दूसरी सुपरहिट फिल्म नहीं दे पाए हैं। बावजूद इसके सुपरस्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं आई है। अभी भी फैंस को प्रभास की अगली फिल्मों आदिपुरुष, प्रोजेक्ट के और स्पिरिट से खासी उम्मीदें हैं। आदिपुरुष जहां इसी साल सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने वाली है। तो वहीं, प्रोजेक्ट के को थियेटर पहुंचने में अभी करीब 11 महीने की देरी है। इस फिल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्री के दिन प्रोजेक्ट के की रिलीज डेट का ऐलान किया। मगर इस ऐलान के साथ ही आरआरआर स्टार राम चरण की टेंशन बढ़ चुकी है। दरअसल, सुनने में आ रहा था कि सुपरस्टार राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर निर्देशक शंकर की अगली फिल्म आरसी 15 भी अगले साल जनवरी में ही रिलीज होने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट्स थीं कि मेकर्स इस फिल्म को साल 2024 की संक्रांति के दिन रिलीज करने की तैयारी में हैं। मगर इससे पहले ही प्रोजेक्ट के के मेकर्स ने ये बड़ी फेस्टिवल डेट लॉक कर दी है। अब ऐसे में या तो राम चरण और प्रभास के बीच अगली साल जनवरी में संक्रांति के मौके पर मेगा बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

लाहौर विश्वविद्यालय में बॉलीवुड दिवस मनाने से पाकिस्तान में छिड़ी बहस

लाहौर । लाहौर के एलयूएमएस विश्वविद्यालय में सीनियर बैच के फेयरवेल पार्टी में बॉलीवुड डे मनाया गया। इसको लेकर इंटरनेट पर एक नई बहस छिड़ गई है। बॉलीवुड डे को लेकर पाकिस्तान दो धड़ों में विभाजित हो गया है। एक तरफ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने इस इवेंट का समर्थन किया है, वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवादी लोग हैं, जो इसका विरोध कर रहे हैं। टिकटॉक पर पोस्ट किए गए एक वीडियो ने ट्विटर पर एक अलग जंग छेड़ दी है, जिससे बहस शुरू हो गई। इवेंट के दौरान मोहब्बतें के राज मल्होत्रा से लेकर अजय देवगन के आइकॉनिक इंस्पेक्टर बाजीराव सिंघम और स्टूडेंट ऑफ द ईयर शनाया सिंघानिया तक, सभी छात्र किसी न किसी किरदार के रुप में ढलते नजर आए। एक ट्विटर यूजर ने कहा, एक राष्ट्र दशकों से बॉलीवुड फिल्मों का दीवाना है, जहां हर शादी में मुख्य रूप से बॉलीवुड गाने होते हैं, एलयूएमएस द्वारा बॉलीवुड दिवस मनाने पर अचानक आक्रोशित हो जाता है। एलयूएमएस का बॉलीवुड डे होना कोई समस्या नहीं है, बल्कि यह एक समस्या का लक्षण है। हमें इस पर चिंतन करना चाहिए कि हम अपने मनोरंजन के लिए भारत की ओर क्यों देखते हैं। हमारे अपने फिल्म उद्योग में क्या कमी है? कुछ यूजर्स ने तर्क दिया कि उन्हें कोसने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि छात्र केवल एन्जॉय कर रहे हैं। ए ट्विटर यूजर ने कटाक्ष में कहा, बेवजह राय, एलयूएमएस में बॉलीवुड डे मनाना गलत कैसे है। हम पाकिस्तान में रह रहे हैं, हमें कोई मौज–मस्ती नहीं करनी चाहिए, बस ट्विटर पर मेल्टडाउन करना है और बेबुनियाद आरोपों के लिए बेतरतीब लोगों को ट्रोल करना है। एन्जॉय करना यहां पाप है।

भारतीय–कनाडाई अफशां खान यूएन में बनीं पोषण अभियान की संयोजक

वाशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने यूएन में भारतीय–कनाडाई अफशां खान को पोषण अभियान स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट का संयोजक नियुक्त किया है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पत्रकारों को बताया 'स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट–2030 तक कुपोषण के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए 65 देशों और चार भारतीय राज्यों के नेतृत्व वाली एक पहल है। उन्होंने कहा कि अफशां खान नीदरलैंड की गेर्डा वेरबर्ग की जगह लेंगी। महासचिव एंटोनियो गुटारेस पोषण को बढ़ावा देने के अभियान का नेतृत्व करने में उनके प्रयासों और समर्पण के लिए आभार व्यक्त करते हैं। भारत में जन्मीं खान स्केलिंग अप न्यूट्रिशन मूवमेंट सचिवालय का नेतृत्व करेंगी। खान कनाडा और ब्रिटेन की दोहरी नागरिकता रखती हैं। खान ने मैकगिल विश्वविद्यालय से लोक नीति में स्नातकोत्तर डिग्री और राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की है। संयुक्त राष्ट्र के एक बयान के अनुसार अपने नए कार्यभार के दौरान खान कुपोषण के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए साझेदारी का निर्माण करके वार्ताओं और प्रतिबद्धता को बढ़ावा देकर वैश्विक स्तर पर पोषण रणनीति का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगी। खान ने 1989 में मोजाम्बिक में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के लिए काम शुरू किया था और फिलहाल वह पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया की क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

बस दुर्घटना में 17 प्रवासियों की मौत व 13 घायल

मेक्सिको सिटी । मैक्सिको के पुएबला राज्य में एक बस दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार कम से कम 17 प्रवासियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुएबला के गृह सचिव जूलियो हुएर्ता के अनुसार सभी मृतक प्रवासी थे। इनमें वेनेजुएला, कोलंबिया और मध्य अमेरिका के प्रवासी शामिल हैं। हुएर्ता ने कहा कि दुर्घटना रविवार को दक्षिणी राज्य ओक्साका से आने वाले एक राजमार्ग पर हुई। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रवासी अपर्याप्त दस्तावेजों के साथ यात्रा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 45 में से 15 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पांच को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी हालत गंभीर है। आठ अन्य को भी चोट आई है। सभी प्रवासी वयस्क थे।

गूगल मैप पर दिख रहा सड़क पर जाम, वास्तव में खाली थी सड़क

बर्लिन । अगर आप गूगल मैप का इस्तेमाल करते हैं, तब थोड़ा संभल जाइए। आपको रास्ते में कहीं ट्रैफिक जाम दिखे और आप रास्ता बदल लें। वहीं गूगल मैप के भरोसे हो सकता है आप लंबे रास्ते पर पहुंच जाए। गूगल मैप पर ऐसा ही देखने को मिला है। गूगल मैप एक जगह पर ट्रैफिक जाम दिखाने लगा जबकि सड़क खाली थी। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक युवक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके गूगल मैप को बेवकूफ बनाते दिख रहा है। वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है। आपको बताते हैं कि किस तरह से गूगल मैप को एक जर्मनी में एक नागरिक ने बेवकूफ बना दिया। बर्लिन में रहने वाले सिमोन वेकर्ट ने गूगल मैप को बेवकूफ बनाया है। सिमोन ने गूगल मैप को चकमा देने के लिए एक बड़ी सी ट्रॉली में करीब सौ स्मार्टफोन रखे। सिमोन ने इन सभी मोबाइल फोन में गूगल मैप ऑन कर दिया। इस टॉली को लेकर सिमोन एक खाली सड़क पर पहुंच गए और धीरे–धीरे चलने लगे। गूगल मैप ने इन सभी स्मार्टफोन की लोकेशन को ट्रैक करके रोड पर जाम को दिखा दिया। इसकी वजह से ज्यादातर लोग जो गूगल मैप को देखकर चल रहे थे वहां उस रोड की तरफ निकले ही नहीं। सिमोन के मुताबिक, हम अभी भी टेक्नोलॉजी और सोसाइटी के बीच के संबंध को समझने में भूल कर रहे हैं। ये बड़ी हैरानी का बात है कि कैसे कोई टेक्नोलॉजी समाज को बदल रहा है। वह मानते हैं कि अभी भी नए टेक्नोलॉजी हमें ठीक से समझ नहीं पाए हैं। दुनिया भर में गूगल की यह नैविगेशन सर्विस काफी पॉप्युलर है। ट्रैफिक और रास्ते की सही जानकारी देते हुए यह यूजर्स को उनकी मंजिल तक पहुंचाती है।

भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए तुर्की के सेलिब्रिटीज

–यूजर ने पाकिस्तानी कलाकारों पर उठाए सवाल

अंकारा । तुर्की–सीरिया में आए भूकंप ने एक झटके में कई जिंदगियां तबाह कर दी है। दुनियाभर के लोग तुर्की–सीरिया की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। तुर्की के सेलिब्रिटीज भी फंड इक्ट्ठा करके मासूम लोगों की मदद में जुटे हुए हैं। एक ओर जहां हर कोई नेक पहल के लिए तुर्की के सेलिब्रिटीज की तारीफ कर रहा है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तानी कलाकार ट्रोल हो रहे हैं। दरअसल तुर्की में मची तबाही के बीच वहां के सेलिब्रिटी अपने देश की मदद में जुटे हैं। यह देखकर हर किसी का दिल खुश हो गया। सोशल मीडिया पर तुर्की कलाकारों की तारीफ भी हो रही है। इस दौरान एक यूजर ने पाकिस्तानी कलाकारों के रवैये पर सवाल उठाए। यूजर ने लिखा, तुर्की के सेलिब्रिटी भूकंप पीड़ितों के लिए पैसे जुटा रहे हैं, जबकि पाकिस्तानी हस्तियां बाढ़ के दौरान अवॉर्ड फंक्शन के लिए रवाना हुईं। जो देश अपने लिए नहीं खड़ा हो सकता है। वहां इससे भी बुरा डिजर्व करता है। यूजर का कमेंट देखकर पाकिस्तानी कलाकार फरहान सईद से रहा नहीं गया और उन्होंने ट्वीट का जवाब दिया। फरहान ट्वीट करते हुए लिखते हैं, सबसे पहली बात ये फंड बाढ़ पीड़ितों के लिए था। पाकिस्तानी आर्टिस्ट ये अवॉर्ड शो फंड जमा करने के लिए करते हैं। कलाकारों ने इवेंट के जरिए अधिकतर फंड अस्पताल के लिए जमा किया। फरहान का जवाब भी कई यूजर को पसंद नहीं आया। उन्होंने जवाब में लिखा, जितना पैसा तुमने इवेंट करने, डांस परफॉर्म करने होटल में रुकने, लग्जरी ट्रैवल में गुजारा उससे ज्यादा फंड क्या अरेंज किया होगा। अपने देश के साथ कैसे खड़े होते हैं ये तुर्की के स्टार्स से सीखो।

मॉस्को दौरे पर आए चीनी कम्युनिस्ट अधिकारी से मिल सकते हैं पुतिन

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मॉस्को में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश नीति प्रमुख से मिल सकते हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने संवाददाताओं से कहा कि रूस की राजधानी की यात्रा पर आए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के सबसे वरिष्ठ विदेश नीति अधिकारी वांग यी से पुतिन की मुलाकात की संभावना को खारिज नहीं किया जा रहा। पेस्कोव ने रूस–चीन संबंधों को बहुआयामी और सहयोगी प्रकृति का बताया। वांग की मॉस्को की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को यूक्रेन की बिना किसी पूर्व सूचना के यात्रा की और राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर वांग से मुलाकात की थी।

त्रिपोली में कीमतों पर नियंत्रण की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

भारत ने नेपाल को 20 किडनी डायलिसिस मशीनें दीं

नेपाल में स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास में मदद के लक्ष्य से भारत ने सोमवार को नेपाल सरकार को 20 किडनी डायलिसिस मशीनें दीं। भारत द्वारा नेपाल को ऐसी 200 मशीनें दी जानी हैं और सोमवार को दी गई 20 मशीनें पहली खेप हैं। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने भारत सरकार और भारत की जनता की ओर से काठमांडू में एक समारोह के दौरान देश के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री पदम गिरि को मशीनें सौंपीं। श्रीवास्तव ने कहा, ''अच्छा मित्र होने के नाते भारत हमेशा से नेपाल के विकास में और मित्रता के नाते हमेशा से मददगार रहा है।'' राजदूत ने कहा कि भारत और नेपाल विभिन्न क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं और स्वास्थ्य उनमें से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस अवसर पर मंत्री गिरि ने सहायता के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि ''इससे नेपाल में बुनियादी ढांचे के विकास में बहुत मदद मिलेगी।'' मंत्री ने कहा कि 'पड़ोसी पहले' की नीति के तहत भारत 2015 के भूकंप, कोविड–19 महामारी और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में नेपाल की मदद कर रहा है और ''हमें इसके लिए कृतज्ञ होना चाहिए।

पुतिन की बाइडेन को ललकार

जंग के मैदान में रूस को हराना नामुमकिन

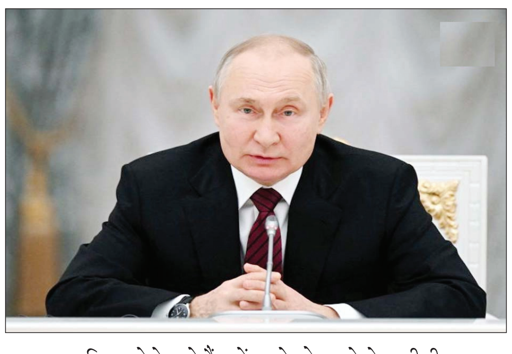

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने वार्षिक संबोधन में पश्चिमी देशों पर यूक्रेन में युद्ध शुरू करने का आरोप लगाकर कहा कि रूस ने इस रोकने के लिए बल का इस्तेमाल किया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि जंग के मैदान में रूस को हराना नामुमकिन है।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस बातचीत करने और पश्चिम के साथ कूटनीति के रास्ते पर चलने के विचार के लिए खुला था और सुरक्षा की समान व्यवस्था के लिए खुला रहा है। इस दौरान उन्होंने नाटो के विस्तार का जिक्र करते हुए दावा किया कि मास्को को 'बेईमान जवाब मिले। पुतिन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बनाकर पश्चिमी देशों पर स्थानीय संघर्ष को वैश्विक संघर्ष में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा, 'हम उचित तरीके से प्रतिक्रिया देने वाले हैं। हम अपने देश के अस्तित्व के बारे बात कर रहे हैं।

यूक्रेन को साल से सैन्य सहायता देने वाले देश का नाम लिए बिना पुतिन ने अमेरिका को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन को जितनी ज्यादा लंबी दूरी के हथियार भेजे जाते हैं, हमें खतरे को अपने से उतनी ही ज्यादा दूर धकेलना होगा। कदम दर कदम, हम सावधानीपूर्वक और व्यवस्थित रूप से उन लक्ष्यों को हासिल करने वाले हैं, जो हमारे सामने हैं।

पुतिन ने रूस के खिलाफ पश्चिमी देशों की साजिश का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश 'रूस को खत्म करना' चाहते हैं। पुतिन ने कहा, पश्चिमी अभिजात वर्ग रूस को रणनीतिक रूप से हराने के अपने लक्ष्य को नहीं छिपा रहे हैं। इसका मतलब हम सबको एक ही बार में हमेशा के लिए मिटाना है। उन्होंने कहा कि रूस को दंडित करने के मकसद से लगाए गए प्रतिबंधों का उल्टा असर हुआ है और जिन देशों ने प्रतिबंधों की घोषणा की थी, वे अपने ही नागरिकों को परेशान कर रहे हैं और अपने दर्द के लिए रूस पर दोष मढ़ रहे हैं।

पुतिन ने अमेरिका सहित उसके सहयोगी देशों का नाम लिया बिना कहा कि उन्होंने अपने ही देशों में कीमतें बढ़ाईं, कारखानों को बंद करने, ऊर्जा क्षेत्र को ढहने की ओर ले गए और वे अब अपने नागरिकों को बता रहे हैं कि यह रूसियों का दोष है। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देशों ने रूस के प्रति आर्थिक आक्रामकता दिखाई है। उन्होंने कहा, 'इनमें से किसी भी क्षेत्र में उन्हें सफलता नहीं मिली है। प्रतिबंधों को शुरू करने वाले खुद को सजा दे रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेनी नागरिक 'अपने पश्चिमी आकाओं के बंधक बन गए हैं और उन लोगों ने राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य दृष्टि से देश पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के नेतृत्व वाला शासन राष्ट्रीय हित की नहीं, बल्कि विदेशी शक्तियों के हितों की सेवा कर रहा है।

प्रिंस हैरी व यूके सरकार की कानूनी लड़ाई में करदाताओं के 3 लाख 57 हजार डॉलर हुए खर्च

लंदन (एजेंसी) प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल ने जनवरी 2020 में शाही परिवार को छोड़ने और संयुक्त राज्य में रहने के अपने फैसले की घोषणा की, जिसके बाद उन्हें अपने शाही कर्तव्यों के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। इसके अतिरिक्त यूके होम ऑफिस ने युगल को शाही पुलिस एस्कॉर्ट के अधिकार से वंचित कर दिया। फिर प्रिंस हैरी ने न्यायिक समीक्षा के लिए याचिका दायर किया। यह पहली बार था जब शाही परिवार के किसी सदस्य ने यूके सरकार के खिलाफ मामला दायर किया था। सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यूके मीडिया ने बताया कि कानूनी लड़ाई में ब्रिटेन के करदाताओं को 3 लाख 57 हजार डॉलर खर्च करना पड़ा है। 2021 में प्रिंस हैरी के एक प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया कि उनकी कानूनी चुनौती का लक्ष्य यूके में रहते हुए अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करना था, ताकि उनके बच्चे अपने देश को जान सकें।

तालिबान ने कश्मीरी आतंकी को अफगानिस्तान में मार गिराया

– भारतीयों के हत्यारे को मारकर भारत संग निभाई दोस्ती

काबूल (एजेंसी)। तालिबान ने भारतीयों के हत्यारे एक कश्मीरी आतंकी को अफगानिस्तान में मार गिराया। कश्मीर में जन्मे जिहादी कमांडर एजाज अहमद अहनगर की दक्षिणी अफगानिस्तान में मौत हो गई है। एजाज अहमद इस्लामिक स्टेट के लिए काम करता था और अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और जलालाबाद में भारतीय नागरिकों पर आत्मघाती हमले करवाता था। एजाज के मौत की भारतीय खुफिया एजेंसियों और परिवार के सदस्यों ने पुष्टि की है। एजाज श्रीनगर का रहने वाला था और जनवरी में उसे गृह मंत्रालय ने आतंकी घोषित किया था। बताया जा रहा है कि तालिबान के एक्शन में इस आतंकी की मौत हुई है। भारत ने तालिबान से यह पूरा मामला उठाया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एजाज की बहन फहमिदा शफी ने बताया है कि उसे अधिकारियों ने आतंकी के मारे जाने की सूचना दी है। फहमिदा ने कहा कि पुलिस ने उनके छोटे भाई को कुछ दिन पहले ही बुलाया था और यह सूचना दी थी। मैं नहीं जानती हूं कि यह सही है या नहीं, लेकिन मैं तब से रो रही हूं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस मौत पर कोई बयान नहीं दिया है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि एजाज को संभवतः तालिबान ने आईएसआईएस के खिलाफ चलाए गए अभियान में मार गिराया है।

तालिबान ने पिछले दिनों दक्षिण अफगानिस्तान में स्थित कुनार इलाके में आईएस के खिलाफ जोरदार कार्रवाई की थी। माना जाता है कि पिछले साल तालिबान के साथ हुई बैठक में भारतीय अधिकारियों ने तालिबान से कश्मीर आतंकी एजाज की अफगानिस्तान में सक्रियता का मुद्दा उठाया था।

मालूम हो कि इस्लामिक स्टेट के आतंकियों ने हाल के महीनों में तालिबान के कई सदस्यों की हत्या कर दी थी। इससे तालिबान और आईएस के बीच जंग शुरू हो गई है। अफगान अधिकारियों ने बताया कि एजाज ने ही मार्च 2020 में काबुल के सिख गुरुद्वारे कर्त ए-परवान पर आत्मघाती हमला करवाया था। इस हमले को मुहम्मद मुहसिन ने अंजाम दिया था। इस हमले में कई सिख हताहत हुए थे। एजाज पर अफगानिस्तान के जलालाबाद में भी भारतीय पर हमला कराने का आरोप है। एजाज के परिवार में पहली पत्नी रुखसाना अहनगेर और दो बेटियां हैं। परिवार के सूत्रों ने बताया कि उनकी अंतिम बार एजाज से पिछले साल बातचीत हुई थी। उन्हें यह नहीं पता है कि एजाज की पत्नी और बच्चे कहां पर हैं।

चार दिवसीय अभियान में 150 आवारा गायों आसमान से मारेगा अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में अधिकारियों ने दक्षिण-पश्चिमी न्यू मैक्सिको के गिला जंगल में वन्यजीव विशेषज्ञों को जंगली गायों को खत्म करने के प्रयास के तहत उन्हें मारने का आदेश दिया है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र में लगभग ऐसी 150 गायों को चिह्नित किया गया है, जिन्होंने पर्यटकों पर हमले किये हैं और देश के पहले घोषित जंगल क्षेत्र के संवेदनशील क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया है। मीडिया के अनुसार गुरुवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय अभियान में लगभग 150 आवारा गायों को लक्षित किया जाएगा, जो पर्यावरणविदों के अनुसार गिला के बढ़ते पहाड़ों और उपजी घाटियों के बीच लुप्तप्राय प्रजातियों के इकोसिस्टम को नष्ट कर देंगी। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन आवश्यक था और निर्णय लेना मुश्किल था।

वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि गिला जंगल में जंगली मवेशी जंगल में आने वाले पर्यटकों के प्रति आक्रामक रहे हैं। ये पशु साल भर चरते हैं और धारा के किनारों और झरनों को रौंदते हैं, जिससे कटाव की समस्या होती है। हालांकि, अधिकारियों के इस कदम को रैंचर्स द्वारा कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, जिन्होंने कहा है कि हवा से मवेशियों को मारना एक क्रूर कदम है और जनसंख्या का प्रबंधन करने का अक्षम तरीका है। मीडिया के अनुसार एनएमसीजीए ने वन सेवा पर इससे पहले भी एक मुकदमा दायर किया था और पैटरसन ने इस फैसले को रोकने के लिए आगे की कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। पिछले साल की कानूनी चुनौती अदालत के बाहर एक समझौते के रूप में समाप्त हुई, जिसमें पैटरसन ने कहा कि दोनों पक्षों को अन्य विकल्प तलाशने के लिए कहा गया है। वन सेवा के फैसले ने पर्यावरणविदों को खुश किया है, जो चाहते हैं कि सभी गायों को गिला और अन्य सार्वजनिक भूमि से हटा दिया जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के यूक्रेन दौरे से तीसरे विश्व युद्ध की अशंका

– यूक्रेन ने कहा– रूस की परमाणु सेना सर्वोच्च अलर्ट पर

मास्को(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यूक्रेन के दौरे पर रहे और यूक्रेन ने कहा कि रूस ने अपनी परमाणु सेना को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा हुआ है। बाइडेन के अचानक से यूक्रेन दौरे के बाद पुतिन के भाषण पर दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। वहीं यूक्रेन ने कहा है कि रूस ने अपनी परमाणु सेना को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा हुआ है। यूक्रेन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन पश्चिमी देशों को ब्लैकमेल करना चाहते हैं और इसी वजह से वह परमाणु ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी दी है कि अगर चीन रूस के साथ जाता है तो दुनिया में तीसरा विश?वयुद्ध छिड़ जाएगा।

यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने रूस पर आरोप लगाया है कि उसने व्यापक स्तर पर परमाणु अभ्यास शुरू किया है और अपने सेंट्रल कमांड सिस्टम मोनोलिथ को सक्रिय कर दिया है। यूक्रेन के जासूसी ने सूचना दी है कि रूस ने अपने परमाणु सेना का अभ्यास शुरू किया है। इसमें परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के सभी अंगों सबमरीन, मिसाइल और फाइटर जेट शामिल हैं। परमाणु सेना को कथित रूप से उनके सर्वोच्च युद्धक अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि पुतिन परमाणु ब्लैकमेल का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि पश्चिमी देश यूक्रेन का समर्थन करना बंद कर दें।

वहीं यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 50 करोड़ डॉलर के सैन्य पैकेज का ऐलान किया है। यूक्रेन युद्ध गत 24 फरवरी को शुरू हुआ था। सुपरपावर कहे जाने वाले रूस को युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब रूस परमाणु अभ्यास करके अपनी ताकत दुनिया को दिखाना चाहता है। दावा किया जा रहा है कि रूस की एक परमाणु सबमरीन मिसाइल फायर करने का अभ्यास भी कर सकती है। रूस के परमाणु बॉम्बर और शीर्ष कमांडरों को भी तामबोव एयर बेस पर तैनात कर दिया गया है, जो यूक्रेन से 300 मील की दूरी पर है। इससे पहले बाइडेन सोमवार को औचक दौरे पर कीव पहुंचे, जहां उन्होंने यूक्रेन के अपने समकक्ष व्लादिमर जेलेंस्की से मुलाकात की।

जापान और अमेरिका जैसे देशों को ये खास गिफ्ट देकर मालामाल हो गया चीन

–जानें क्या है जिनपिंग की खतरनाक पांडा डिप्लोमेसी?

बीजिंग (एजेंसी)। हजारों जापानी प्रशंसकों ने अपने आंसू पोंछते हुए जापानी मूल के एक प्यारे विशाल पांडा को विदाई दी। चीन के लिए रवानगी भरने वाले चार पांडा में से एक का जन्म 2017 में टोक्यो के यूनो चिड़ियाघर में हुआ था। एक आगंतुक युकी की मानें तो जियांग नामक पांडा न केवल प्यारा है, बल्कि आकर्षक और मजाकिया भी है। वह इतनी आकर्षक है कि आप उसे एक बार देख लें तो बार-बार देखने का मन करता है, लेकिन जापान ने चीन के तोहफों को वापस उसी के मुल्क भेज दिया है। कोई पहली बार नहीं है कि पांडा को वापस उसके मुल्क भेजा गया हो। ऐसे कई मामले हैं, जब पांडा को चिड़ियाघर में रखने के बाद उसके मुल्क भेजा गया हो। ऐसे में आइए इसके पीछे की कहानी को समझते हैं।

पांडा दक्षिण मध्य चीन में पाया जाने वाला भालू प्रजाति का एक जानवर है। ये पांडा चूंकि चीन में ही पाया जाता है। इसलिए चीन के राष्ट्र की पहचान भी कहा जाता है। जिन देशों के साथ चीन के अच्छे संबंध होते हैं अथवा जिन देशों के साथ चीन अपने संबंधों को सुधारना चाहता है तो उसे उपहार के तौर पर पांडा ही भेंट करता है। इससे पता चलता है कि चीन इन देशों के साथ अपने संबंध को महत्ता दे रहा है। इसे ही चीन की पांडा कूटनीति कहते हैं। चीन ने 1957 में यूएसएसआर को अपना पहला पांडा पिंग पिंग गिफ्ट के तौर पर दिया था।

1972 में जब अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन पहली बार अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर चीन गए थे तो चीन ने उन्हें दो पांडे ही भेंट किए थे। इस यात्रा के बाद से ही चीन और अमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ था। इसी के चलते चीन ने ब्रिटेन, जापान और अन्य देशों को भी पांडा भेंट किया था, ताकि इन देशों के साथ उसके संबंध आगे मजबूत हो सके। चीन के बारे में कहा जाता है कि वो हर चीज में कारोबार और मुनाफा देखता है। दुनिया के कई देशों को चीन ने उनके चिड़ियाघरों में रखने के लिए लोन पर पांडा दिए हैं और इसे दोस्ती का नाम दिया।

1972 में जब निक्सन और माओ की मुलाकात के बाद पांडा डिप्लोमेसी शुरू हुई तो मीडिया ने इसे नम्रता से लड़ी जाने वाली जंग यानी पोलाइट वॉरफेयर कहा था। चीन ये

जानवर अमेरिका और दूसरे देशों को सालान किराए पर देता है। चीन ने साल 1941 से लेकर 1984 तक दूसरे देशों को पांडा गिफ्ट किए, लेकिन 1984 के बाद इस नीति में बदलाव करते हुए वो दूसरे देशों में आने वाले पांडा पर ट्रैक्स लगाना शुरू कर दिया। चीन जिन देशों को पांडा देता है, उन्हें हर साल चीन को एक पांडा के बदले 1 मिलियम की राशि देनी पड़ती है, जो संरक्षण परियोजनाओं की तरफ से दिए जाते हैं।

इस बार मार्च में पड़ने लगेगी प्रचंड गर्मी, गेंहू और सरसों को होगा नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली सहित देश भर में आने वाले दिनों में गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। फरवरी की तरह ही मार्च का महीना भी गर्म रहने वाला है। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि इस बार गर्मी जल्दी शुरू हो गई है। पहाड़ों में बर्फबारी कम होने की वजह से ऐसा हो रहा है। इस बार फरवरी की बारिश भी नहीं हो रही है। जबकि पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवा को भी लगातार बन रहे पश्चिमी विक्षोभ ने रोक रखा है। बहरहाल उत्तर भारत में बारिश करने वाले इन पश्चिमी विक्षोभ का दिल्ली में कोई असर नहीं है। जबकि दक्षिण–पश्चिम से गर्म हवा लगातार आ रही है, इससे गर्मी बढ़ रही है। इस बार पछुआ हवाओं के आने में देरी हो रही है। अगर इस समय पहाड़ों पर बर्फबारी होती तब उत्तर से चलने वाली हवाओं से मौसम ठंडा होती। मगर फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की कोई भी उम्मीद नहीं है। मार्च का महीना भी बहुत गर्म रहेगा। इस लगातार बढ़ती गर्मी से फसलों को नुकसान होगा। खासकर सरसो और गेहूं की फसलों की उपज कम होने का खतरा है। अभी निश्चित तौर पर कुछ कहना मुश्किल है, पर जो हालात दिख रहे हैं उससे तो लगता है कि फरवरी और मार्च महीने सामान्य से बहुत गरम रहेगा।

जोशीमठ में बदरीनाथ हाईवे पर दरारों के साथ दिखने लगे गड्ढे

–दिन–प्रतिदिन लोगों के घर तिरछे होते जा रहे

जोशीमठ। जोशीमठ में लगभग डेढ़ माह से हो रहे भू धंसाव के कारण स्थितियां दिन ब दिन और ज्यादा गंभीर होती जा रही हैं। एक ओर जहां लोगों के घर तिरछे होते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भू–धंसाव से बदरीनाथ हाईवे भी बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। रेलवे गेस्ट हाउस के पास हाईवे पर करीब दस फीट गहरा गड्ढा हो गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर सीमा सड़क संगठन ने मजदूरों की मदद से गड्ढे को भर दिया। गड्ढा इतना गहरा था कि उस भरने में करीब आधा ट्रक पत्थर, सीमेंट और कांक्रीट लगा। इसके बाद तहसीलदार ने हाईवे का निरीक्षण किया। बता दें कि हाईवे पर इससे पहले मारवाड़ी होटल के पास गड्ढा हो गया था। बीआरओ की कमान अधिकारी मेजर आइना ने बताया कि गड्ढा सूखा था। यहां आधा ट्रक पत्थर का भरान किया गया है। साथ ही सीमेंट और कांक्रीट से सुधारीकरण कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि हाईवे पर जहां–जहां भू–धंसाव हो रहा है, वहां सुधारीकरण कार्य किया जा रहा है। वहीं, भू–धंसाव से सबसे अधिक प्रभावित सिंहधार वार्ड में अब भी मकान धंस रहे हैं। यहां कई मकानों की छत, आंगन और कमरे धंस गए हैं जबकि पूर्व में एक मंदिर भी भू–धंसाव से क्षतिग्रस्त हो गया था। सिंहधार वार्ड के प्रभावित क्षेत्र में चार आवासीय भवन डेंजर जोन में हैं। इन मकानों की छत और आंगन धंस गए हैं। बाथरूम और किचन भी तिरछे हो गए हैं।

अयोध्या में बनेगा सीएम योगी आदित्यनाथ का भव्य मंदिर, 24 फरवरी को भूमि पूजन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता तो वैसे खूब है। लेकिन अब उनके मंदिर का भी निर्माण होने जा रहा है। मंदिरों का शहर कहे जाने वाले अयोध्या में योगी आदित्यनाथ के मंदिर का निर्माण होगा। यहां श्री योगी मंदिर बनने जा रहा है। इस मंदिर का निर्माण योगी के प्रचारक प्रभाकर मौर्य कराने जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 24 फरवरी को मंदिर के लिए भूमि पूजन किया जाएगा। इसमें रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास भी शामिल होंगे। साथ ही साथ हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास और अयोध्या के कई बड़े संत हिस्सा लेंगे। जानकारी के मुताबिक श्री योगी मंदिर 101 फीट ऊंचा होगा। इसकी लंबाई और चौड़ाई 50X50 की होगी। मंदिर बनाने में कुल लागत 4 करोड़ की आएगी। इसको लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतना पैसा कहां से आएगा? इस पर प्रभाकर मौर्य ने बताया कि यह पैसा यूट्यूब चैनल से और कई मुस्लिम संगठनों के सहयोग से हासिल किया जाएगा। अयोध्या के कल्याण भद्रासा गांव में इस मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रण भेजा गया है। बताया जा रहा है कि इस मंदिर को बनने में 5 वर्ष का समय लगेगा। इसमें योगी आदित्यनाथ की 5 फीट की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा। 2027 तक योगी का यह विशाल मंदिर पूरा कर लिया जाएगा। आपको बता दें कि प्रभाकर मौर्य वही शख्स है जो विवादित जमीन पर इससे पहले भी योगी आदित्यनाथ का एक मंदिर बनवा चुके हैं।

झारखंड में हाथी का कहर, पिछले तीन दिनों में 11 लोगों की कुचल कर मौत

रांची। झारखंड में हाथी लगातार कहर बरपा रहे हैं। इसी कड़ी में रांची के इटकी प्रखंड में झुंड से बिछड़े दो हाथियों ने चार लोगों को कुचलकर मार डाला। इसके पहले लोहरदगा में भी एक हाथी ने पांच लोगों की जान ले ली थी। पिछले तीन दिनों में पूरे राज्य में हाथियों के हमले में ग्यारह लोग मारे गए हैं। बताया गया कि जंगल की ओर से आए एक हाथी ने मंगलवार को 55 वर्षीय किसान सुखबीर को कुचल डाला। यहां के ग्रामीणों ने एकजुट होकर हाथी को यहां से खदेड़ा, तब वह पास स्थित गढ़गांव पहुंचा और वहां भी एक–एक कर 52 वर्षीय पुनई उरांव, गोविंदा उरांव और राखवा देवी को कुचल डाला। बताया जा रहा है कि हमलावर हाथी अभी गढ़गांव में ही मौजूद है। इस बीच वन विभाग और प्रशासन के अफसरों की टीम प्रभावित गांव में पहुंची है। हाथी को गांव से छह–सात किलोमीटर दूर जंगल की ओर भेजने की कोशिश हो रही है। गांव में लोगों की भारी भीड़ जमा है। प्रशासन की ओर से लोगों से घरों में रहने की अपील की जा रही है। फरवरी महीने में हाथियों ने हजारीबाग शहर और आसपास के इलाकों में तीन, लोहरदगा में पांच, लातेहार में एक और जामताड़ा में एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला है। वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई) ने साल 2017 में रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें बताया गया था कि झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और दक्षिण पश्चिम बंगाल का 21 हजार वर्ग किलोमीटर इलाका हाथियों का आवास है। मानव–हाथी संघर्ष के चलते देशभर में जितने लोगों की जान जाती है, उसमें 45 फीसदी इसी इलाके से हैं।

गैंगस्टरों के खिलाफ एनआईए की बड़ी कार्रवाई, देशभर में 70 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) देश भर में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, नीरज बवाना और अन्य गैंगस्टरों से जुड़े 70 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मंगलवार सुबह से शुरु हुई छापेमारी दिल्ली–एनसीआर, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, गुजरात, चंडीगढ़ और उत्तरप्रदेश में जारी है। लॉरेंस को एनआईए ने 24 नवंबर, 2022 को जनता में आतंक पैदा करने के लिए आतंकवादियों, गैंगस्टरों और ड्रग तस्करों के सिंडिकेट द्वारा रची गई साजिश से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी तब हुई जब वह भटिंडा जेल में बंद था। एनआईए ने पहले कहा था कि इस तरह की सभी आपराधिक हरकतें स्थानीय घटनाएं नहीं थीं, बल्कि आतंकवादियों, गैंगस्टरों, ड्रग तस्करी के कार्टेल और नेटवर्क के बीच गहरी साजिश का हिस्सा थीं, जो देश के भीतर और बाहर दोनों जगह काम कर रही थीं। एनआईए ने पाया कि ज्यादातर साजिशें बिश्नोई द्वारा जेल के अंदर से रची गई और उन्हें भारत और विदेशों में स्थित गुर्गों के एक संगठित नेटवर्क द्वारा अंजाम दिया गया। गौरतलब है कि गिरफ्तार किया गया गैंगस्टर एक दशक से अधिक समय से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में लक्षित और सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देने की साजिश सहित कई मामलों में शामिल और वांछित है। बिश्नोई अपने भाइयों सचिन और अनमोल बिश्नोई और सहयोगियों के साथ, जिनमें गोल्डी बराड़, काला जथेड़ी, काला राणा, बिक्रम बराड़ और संपत नेहरा भी शामिल थे, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी और व्यापक जबरन वसूली के माध्यम से ऐसी सभी आतंकवादी/ आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन जुटा रहा था।

हैदराबाद में चार साल के मासूम को आवारा कुत्तों ने नोच– नोचकर मार डाला

हैदराबाद। हैदराबाद में एक भयानक घटना सामने आई है। यहां एक चार साल के बच्चे को रविवार को आवारा कुत्तों ने नोच–नोच कर मार डाला। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में बच्चे को सड़क पर चलते हुए देखा जा सकता है। तभी अचानक तीन कुत्ते दौड़कर उस पर हमला करके उसे पकड़ लेते हैं। छोटे बच्चे के पेट में चोटें आई थीं और अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

विधानसभाओं सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएंः राष्ट्रपति मुर्मू

ईटानगर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के समग्र और समावेशी विकास के लिए राज्यों की विधानसभाओं, जन-प्रतिनिधित्व की अन्य संस्थाओं सहित हर कार्य क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और मर्यादा संसदीय प्रणाली की पहचान हैं तथा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चर्चा की सामग्री एवं गुणवत्ता उच्चतम स्तर की हो। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की विधानसभा सहित सभी राज्यों की विधानसभाओं तथा जनप्रतिनिधित्व की अन्य संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे देश के समग्र और समावेशी विकास के लिए हर कार्य क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और अधिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और मर्यादा संसदीय प्रणाली की पहचान हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चर्चा की सामग्री और गुणवत्ता उच्चतम स्तर की हो। साथ ही हमें विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर आम सहमति बनाने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति, विविधता और प्राकृतिक सुंदरता, इस राज्य को भारत में एक विशेष स्थान प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश अरुणाचल प्रदेश की ओर यहां की क्षमता तथा यहां के लोगों की उपलब्धियों के कारण नई दृष्टि से देख रहा है। मुर्मू ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में देश में 'प्रकृति के प्रथम कटोरे' के रूप में उभरने की क्षमता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह राज्य 'खासी मंदारिन' संतरे और कीवी उत्पादन में पहले स्थान पर है, जबकि बड़ी इलायची के उत्पादन में इसका देश में दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल की इस धरती पर सदियों से स्वशासन और जमीनी लोकतंत्र की एक जीवंत प्रणाली विद्यमान है। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी संस्कृति अपने समूह की आकांक्षाओं को पूरा करने में निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनकर सच्चे लोकतंत्र और सुशासन के मूल सिद्धांतों को आत्मसात करती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश ने 'पक्के घोषणा-पत्र' के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के लिए प्रतिबद्धता दिखाने का संकल्प लिया है। मुझे आशा है कि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेते हुए इस मॉडल को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें यह देखकर प्रसन्नता होती है कि विकास का सूर्य अरुणाचल प्रदेश को प्रकाशित कर रहा है और आज यह भारत की प्रगति की धारा का महत्वपूर्ण स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह राज्य और यहां के सरल तथा निष्ठावान लोग देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। मुर्मू ने 'अपनी विधानसभा को जानें' पहल की सराहना की।

दूल्हें को नोटों की माला पहनाना, आरबीआई के नियमों कें खिलाफ

नई दिल्ली। इनदिनों शादी–ब्याह का सीजन चल रहा है। उत्तर भारत में एक आम चलन हैं कि दूल्हा नोट की माला पहन कर घोड़ी पर चढ़ता है। लेकिन अब एक अलग सी घटना दिखने लगी है। झपटमार दूल्हे के गले से नोटों की माला छीन का भाग जा रहे हैं। यदि दूल्हे के गले में 500 रुपये के नोट की माला हो और माला को बनाने में 100 नोटों का भी उपयोग हुआ हैं, तब यह मामला 50 हजार रुपये का होता है। यह हुआ दूल्हे के नुकसान की बात। लेकिन आपकों पता है कि करेंसी नोट की माला बनाना रिजर्व बैंक के नियमों के खिलाफ है? उत्तर भारत के कई राज्यों में यह रिवाज खूब लोकप्रिय है। कहीं सिर्फ दूल्हे नोट की माला पहनते हैं, तब कहीं दुल्हन को भी नोटों की माला पहनाई जाती है। शादी के परिधान जिस दुकान में मिलते हैं, उसी दुकान में नोटों की माला भी बिकती है। इस समय 10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये के नोटों की माला काफी बिक रहे हैं। अमीर व्यक्ति 100 और 500 रुपये के नोटों से बने माला भी पहन रहे हैं। इस माला में उपयोग हुए नोटों का तब दाम देना ही पड़ता है, माला बनाने की मजदूरी भी चुकानी होती है।

नागालैंड में मल्लिकार्जुन खड़गे ने किए कई बड़े वादे, कहा- 20 वर्षों से एनडीपीपी, एनपीएफ और बीजेपी ने राज्य को लूटा है

नई दिल्ली(एजेंसी)। नागालैंड विधानसभा चुनाव को लेकर अब राजनीतिक पारा जबरदस्त तरीके से चढ़ा हुआ है। आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी नागालैंड में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नागालैंड में कई बड़े वादे किए और भाजपा तथा उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधा। अपने संबोधन में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पिछले 20 वर्षों से एनडीपीपी, एनपीएफ और बीजेपी ने नागालैंड को लूटा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लोगों को न्याय मिले और ऐसी सरकार हो जो लोगों के लिए काम करे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्वी नागालैंड क्षेत्र के लिए कई उपायों का वादा किया है।

खड़गे ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के बाद 3000 रुपये प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन, शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण देगी। साथ ही साथ जॉब कार्ड धारकों को मनरेगा के तहत 100त्न मजदूरी का भुगतान किया जाएगा। खड़गे ने आके बताया कि 0त्न ब्याज पर उच्च शिक्षा के लिए ऋण मिलेगा और स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता का इंतजाम करेंगे। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी जानते हैं कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा एक बड़ा घोटाला किया गया था, क्ष्ह्लक्कने स्थिति का लाभ उठाया और सरकार को रातों-रात पलट दिया। उन्होंने कहा कि नागालैंड के लोगों को ठगा महसूस हुआ और ष्ट्रक्को ब्लैकमेल कर भाजपा ने सरकार बनाई।

2024 में दुरबीन से भी ढूंढने पर नहीं मिलेगी कांग्रेस

गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कहा कि भाजपा-एनडीपीपी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी नॉर्थ ईस्ट के साथ-साथ देश में भी हाशिये पर चली गई है। यह सब राहुल गांधी के नेतृत्व में हुआ है। राहुल गांधी के कांग्रेस की कमान संभालने के बाद से ही पार्टी के नेताओं के व्यवहार में तल्खी आने लगी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिस प्रकार की भाषा प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए इस्तेमाल की गई है, जनता इसे देख चुकी है। 2024 में कांग्रेस पार्टी दुरबीन से भी ढूंढने पर नहीं मिलेगी। देश की जनता इसका हिसाब बैलेट बॉक्स के माध्यम से करेगी।

भारत में नुसरत फतेह अली व मेहदी हसन के कितने कार्यक्रम हुए, पाक में लता जी का एक कार्यक्रम क्यों नहीं हुआ : जावेद अख्तर

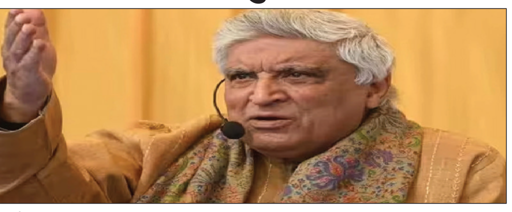

मुंबई (एजेंसी)। कथा-पटकथाकार, गीतकार और शायर जावेद अख्तर इन दिनों पाकिस्तान में हैं। प्रसिद्ध उर्दू शायर फैज अहमद फैज की याद में हाल ही में पाकिस्तान के लाहौर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें भारत से जावेद अख्तर ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में जावेद अख्तर ने जिस अंदाज में वहां के पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए कि वह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। जावेद अख्तर के इन जवाबों की कंगना रनौत ने भी तारीफ की है।

उन्होंने कहा, जब मैं जावेद साहब की कविता सुनती हूं तो लगता था कि मां सरस्वतीजी की इन पर कृपा है, लेकिन देखो कुछ तो सच्चाई होती है इंसान में, तभी तो खुदाई होती है, उनके साथ में। जय हिंद। गौरतलब है कि जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के ऊपर मानहानि का केस कर रखा है।

कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि आप कई बार पाकिस्तान आ चुके हैं। जब आप वापस जाएंगे तो क्या अपने लोगों से कहेंगे कि पाकिस्तानी अच्छे लोग हैं। इस सवाल के जवाब में अख्तर ने कहा- हमें एक-दूसरे पर इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। इससे कोई मसला हल नहीं होगा। हमने देखा है कि मुंबई पर हमला कैसे हुआ। वो आतंकवादी नॉर्वे या इजिप्ट से नहीं आए थे। वो आतंकवादी आपके देश में ही खुलेआम घूम रहे हैं। हिंदुस्तानियों ने इसके खिलाफ शिकायत की है। उन्हें इससे परेशानी है। जावेद अख्तर ने लता मंगेशकर की पाकिस्तान में परफॉर्मेंस के मसले पर भी बात की। उन्होंने कहा, हमने नुसरत फतेह अली खान और मेंहदी हसन के लिए हिंदुस्तान में बड़े-बड़े कार्यक्रम किए हैं। दूसरी ओर आपके देश में कभी भी लता मंगेशकर का कोई प्रोग्राम नहीं किया गया।

शादी की समान उम्र पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह संसद का काम, हम कानून नहीं बना सकते

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र एक समान करने की मांग वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कुछ मामले संसद के लिए होते हैं। अदालतें महिलाओं के शादी की उम्र पर कानून नहीं बना सकती हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत संसद को विधेयक पारित करने के लिए आदेश भी नहीं दे सकती है। इससे पहले वर्कप्लेस पर यौन शोषण से संबंधित विशाखा केस के बाद से देखा गया था कि सुप्रीम कोर्ट महिलाओं के अधिकारों की बात करते हुए जुडिशल एक्टिविज्म की तरह पेश आ रहा था। अब उसने महिलाओं के मुद्दे पर ही दूरी बना ली है।

वकील अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पुरुषों और महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र सीमा एक समान करने की मांग की थी। दरअसल, अपने देश में पुरुषों को 21 साल की उम्र में शादी करने की अनुमति है जबकि महिलाओं के लिए शादी की न्यूनतम उम्र सीमा 18 साल है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट से ट्रांसफर किए गए इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, क्या हम शादी की उम्र 18 साल को खत्म कर सकते हैं? अगर हम इसे खत्म करते हैं तो किसी भी उम्र की लड़की और महिला की शादी हो सकती है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट उनकी शादी की उम्र 21 साल करने के लिए कानून नहीं बना सकता।

सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा ये ऐसे मामले हैं जिसे हमें संसद और सरकार पर छोड़ना चाहिए। हम संविधान के एकमात्र संरक्षक नहीं हैं। वैसे, महिला और पुरुष के शादी की एक समान उम्र होनी चाहिए लेकिन इसे विधायिका और सरकार के विवेक पर छोड़ देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट न तो संसद को निर्देश दे सकती है और न ही कानून बना सकती है। बाद में अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि इससे अच्छा होता कि मामला दिल्ली हाई कोर्ट में ही रहता। सुप्रीम कोर्ट में केस ट्रांसफर करके इसे खारिज करने का क्या मतलब है।

महराष्ट्र में इनदिनों मसाला फिल्म चल रही, इसे दिल्ली निर्देशित कर रहा : संजय राउत

–चुनाव आयोग के फैसले पर शिवसेना नेता ने उठाए गंभीर सवाल

मुंबई (एजेंसी)। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ उद्धव गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंचा गया है। उद्धव गुट ने चुनाव आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। इसके बाद महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे में आरोप-प्रत्यारोप और बयानबाजी का दौर जारी है। चुनाव चिन्ह और पार्टी के नाम को लेकर शिंदे और उद्धव गुट आमने-सामने है। इसी कड़ी में शिवसेना सांसद और पार्टी के मुखपत्र सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत ने एक इंटरव्यू दिया हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग के फैसले पर भी जवाब दिया। साथ ही स्पष्ट रूप से कहा कि महाराष्ट्र के लोगों के लिए शिवसेना ही ठाकरे है और ठाकरे ही शिवसेना है।

राउत ने मौजूदा वक्त में पार्टी और चुनाव आयोग के बीच चल रही तकरार को मसाला फिल्म कह दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह फिल्म दिल्ली से निर्देशित की जा रही है। इस फिल्म की स्क्रिप्ट 2019 के बाद लिखी गई है, इस दिल्ली से निर्देशित किया जा रहा है। राउत को लगता है कि महाराष्ट्र में सामने आ रही राजनीतिक स्थिति एक बड़ी साजिश का हिस्सा है, जो 2019 के चुनावों के बाद शुरू हुई थी। राउत ने कहा, महाराष्ट्र में जो कुछ भी हो रहा है वह एक मसाला फिल्म के अलावा और कुछ नहीं है।

जिसकी पटकथा 2019 के चुनावों के बाद लिखी गई थी। उन्हें अब दिल्ली से दिशा मिल रही है। राउत ने चुनाव आयोग के कदम पर सवाल उठाकर कहा, भारतीय राजनीति के इतिहास में चुनाव आयोग ने किसी भी पार्टी के लिए ऐसा फैसला नहीं दिया है।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में वकील प्रशांत भूषण की याचिका का हवाला देकर राउत ने कहा, क्या चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था या शिवसेना के खिलाफ इस तरह का आदेश देने के लिए जल्दबाजी में लाया गया था? ज चुनाव आयोग पार्टी के भाग्य का फैसला नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, 'विधायकों और सांसदों की संख्या पर पार्टी की एक बड़ी परिभाषा है और चुनाव आयोग को इस पर गहराई से विचार करना चाहिए था। क्या होगा अगर हमारे साथ विश्वासघात करने वाले सभी विधायक और सांसद अगले चुनाव में हार गए? क्या चुनाव आयोग हमारी पार्टी का नाम और धनुष-बाण का चुनाव चिह्न हमें वापस देगा?

फडणवीस का बड़ा आरोप, एमवीए नेताओं ने पूर्व राज्यपाल कोश्यारी को धमकी भर पत्र लिखा था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उन्हें बताया था कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने विधानपरिषद में सदस्यों को मनोनीत करने को लेकर उन्हें (कोश्यारी को) धमकी भरा एक पत्र लिखा था। राज्य में ठाकरे नीत एमवीए सरकार रहने के दौरान राज्यपाल कोटा के तहत विधानपरिषद में 12 सदस्यों को मनोनीत करने की सिफारिश को रोक कर रखने के अपने रुख का कोश्यारी द्वारा बचाव करने के एक दिन बाद फडणवीस की यह टिप्पणी आई है।

कोश्यारी ने कहा था कि एमवीए के नेताओं ने विधानपरिषद में सदस्यों को मनोनीत करने को लेकर उन्हें धमकाने की कोशिश की थी। फडणवीस ने कहा, ''मेरी जानकारी के अनुसार, एमवीए के नेताओं ने राजभवन का दौरा किया और (तत्कालीन) राज्यपाल कोश्यारी से मुलाकात की थी। फडणवीस ने कहा कि राज्यपाल ने मुझे बताया कि एमवीए नेताओं ने धमकी भरे लहजे में एक पत्र लिखा था। उन्होंने (कोश्यारी ने) उनसे एक नया पत्र सौंपने को कहा था, लेकिन अपने अहम के कारण उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया।

विधानपरिषद में राज्यपाल कोटे के तहत सदस्यों के मनोनयन को लेकर कोश्यारी और एमवीए सरकार के बीच तकरार देखने को मिला था। कोश्यारी ने हाल में महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था।

तुर्की और सीरिया से भी भयावक भूंकप आ सकता हैं उत्तराखंड क्षेत्र में

–डेटा बता रहा है कि तनाव काफी दिनों से जमा हो रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में 6 फरवरी को आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अब भारत में भी इससे भयंकर भूकंप आने की आशंका है। यह भूकंप उत्तराखंड क्षेत्र में आने की आशंका जाहिर है। इस लेकर राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में भूकंप विज्ञान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन पूर्णचंद्र राव ने चेतावनी दी है। उन्होंने चेतावनी देकर कहा है कि तुर्की से भी बड़े भूकंप का खतरा उत्तराखंड पर मंडरा रहा है।

राव ने जोर देकर कहा है कि विनाश कई कारकों पर निर्भर करेगा जो एक भौगोलिक क्षेत्र से दूसरे भौगोलिक क्षेत्र में भिन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि हमने उत्तराखंड पर केंद्रित हिमालयी क्षेत्र में लगभग 80 भूकंपीय स्टेशन स्थापित किए हैं। हम इसकी रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। हमारा डेटा दिखाता है कि तनाव काफी समय से जमा हो रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे पास क्षेत्र में जीपीएस नेटवर्क हैं। जीपीएस पॉइंट हिल रहे हैं, जो सतह के नीचे होने वाले परिवर्तनों का संकेत दे रहे हैं। पृथ्वी के साथ क्या हो रहा है, यह निर्धारित करने के लिए वेरियोमैट्रिक जीपीएस डाटा प्रोसेसिंग विश्वसनीय तरीकों में से एक है।

राव ने साफ किया कि हम सटीक समय और तारीख की भविष्यवाणी नहीं कर सकते लेकिन उत्तराखंड में कभी भी भारी भूकंप आ सकता है। भारत के इस शीर्ष वैज्ञानिक की टिप्पणी बद्रीनाथ और केदारनाथ जैसे तीर्थ स्थलों के प्रवेश द्वारा जोशीमठ में भू-धंसाव के बारे में बात करते हुए आई है। मालूम हो कि चार धाम यात्रा अगले दो महीने में शुरू होगी। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उत्तराखंड के पहाड़ों पर जुटती है। 8 और उससे अधिक तीव्रता का भूकंप काफी विनाशकारी होता है। तुर्की में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.8 मापी गई थी। जहां हजारों इमारतें जमींदोज हो गई और मरने वालों की संख्या 46 हजार के पार चली गई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में 3 जिलों में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की रेड

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने यूपी के 3 जिलों में छापेमारी की है। बुलंदशहर में मूसेवाला मर्डर केस में हथियार सप्लाई करने वाले की कनेक्शन की टीम तलाश कर रही है। वहीं, प्रतापगढ़ ने टीम लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े एक शख्स के यहां रेड डाली। पीलीभीत में एनआईए ने जिस घर में छापेमारी की, उनका बेटा पंजाब जेल में बंद है। माना जा रहा है कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की यह रेड भी लॉरेंस विश्नोई और मूसेवाला मर्डर से जुड़ी हुई है। फिलहाल, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने इस पूरे ऑपरेशन से जुड़ी कोई डिटेल शेयर नहीं की है। यूपी को छोड़कर जांच एजेंसी ने देश के आठ राज्यों में 70 ठिकानों पर छापेमारी की है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की 4 सदस्यीय टीम बुलंदशहर के खुर्जा में हथियारों के सप्लायर कुर्बान अंसारी के रिश्तेदार के घर पहुंची। याहया पहलवान के करीब डेढ़ घंटे तक खोजबीन की। इसके बाद टीम लौट गई। कोरोना काल में कुर्बान अंसारी की मौत हो चुकी है। जबकि उसका बेटा जेल में बंद है। कुर्बान अंसारी पर आरोप है कि उसने सिद्धू मूसेवाला मर्डर में हथियार सप्लाई किए थे। इससे पहले भी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने बुलंदशहर में कई स्थानों पर रेड कर लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों ने बताया कि कुर्बान अली की मौत हो चुकी है। उनका बेटा जेल में है। एनआईए हथियारों के इस नेटवर्क के बारे में पूरी

जानकारी हासिल करना चाहती है। इसलिए, उसने याहया खान के घर की तलाशी ली। हालांकि, वहां से क्या मिला? किस तरह की पूछताछ की गई। इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी सुबह पीलीभीत के माधोपर गांव में दिलबाग सिंह के घर पहुंची। उनका बेटा आजाद सिंह पंजाब जेल बंद है। उस हथियार सप्लाई करने का आरोप है। 1 घंटे तक चली जांच पड़ताल के बाद एनआईए लौट गई। फिलहाल नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के पहुंचने से इलाके में दहशत का माहौल है। घर की रखवाली करने वाले शख्स ने बताया कि सुबह 5 बजे 4 गाड़ियों में सवार कुछ लोग आए थे, जिन्होंने घर में आने वाले लोगों के बारे में पूछताछ की। एक घंटे तक घर के अंदर जांच पड़ताल करते रहे, जिसके बाद लोग वापस चले गए। 2 साल पहले घर के मालिक घर में आए थे। इसके बाद से कोई नहीं आया। खाली घर की तलाशी लेने के लिए एनआईए क्यों आई थी। इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि आजाद सिंह भी लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने इसी मामले में यह छापेमारी की है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की एक टीम स्थानीय पुलिस के साथ छापेमारी के लिए प्रतापगढ़ गोड़े गांव पहुंची। यहां विकास सिंह के घर पर रेड की। 1 घंटे तक उसके घर पर जांच पड़ताल की। इसके अलावा गांव के लोगों से भी पूछताछ की। बता दें विकास 2014 से झांसी जेल में बंद है। उस पर लूट, हत्या सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। आशंका है कि विकास सिंह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य है। बिश्नोई और नीरज बवाना के गैंग के कुछ सक्रिय सदस्य कि प्रतापगढ़ में होने की सूचना थी, जिसकी जानकारी एनआईए के हाथ लगी थी, वही बताया जा रहा है कि उन्हीं की तलाश में एनआईए टीम के द्वारा ताबड़तोड़ छापेमारी की। नीरज और बिश्नोई की गैंग के सदस्य प्रतापगढ़ में भी असलहा और ड्रग्स की सप्लाई में संलिप्त होने की सूचना है, ऐसे में गैंग के पदार्फाश के लिए एनआईए की टीम ने कमर कसी और ताबड़तोड़ छापेमारी कर उनको पकड़ने का प्रयास कर रही है। प्रतापगढ़ में बड़ा खुलासा होने की भी उम्मीद जताई जा रही है, बताया जा रहा है कि एनआईए के इंस्पेक्टर एनके सिंह के नेतृत्व में करीबी 50 सदस्यीय टीम ने छापेमारी की। अपराधी नगर कोतवाली के गोड़े गांव का रहने वाला है। 2014 से प्रदेश के अलग अलग जेलों में बंद रहा है। वर्तमान में मेरठ जेल में निरुद्ध हैं, उनके ऊपर एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। जौनपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज समेत कई जिले में उसके ऊपर मुकदमा दर्ज है । प्रतापगढ़ नगर कोतवाली का मोस्ट वांटेड सूची में 1 नंबर पर नाम दर्ज हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के भाई के ऊपर फायरिंग कर-के लूट के मामले में सबसे पहले साल 2012 में विकास का नाम आया था। वहीं विकास सिंह के पड़ोसी ने बताया कि भोर में करीब 4 बजे एनआईए की टीम कई गाड़ियों से आयी थी। जिसमें 15 महिला कर्मी और 30 से अधिक पुरुष कर्मियों ने पूछताछ की। घर के सदस्य मौजूद नही मिले। घर में ताला बंद था। पड़ोसियों से जानकारी लेकर लौट गए।

दारुल उलूम देवबंद ने दी छात्रों को अपनी दाढ़ी नहीं कटवाने की हिदायत: चार छात्रों को किया निष्कासित

सहारनपुर (उप्र),। सहारनपुर जिले में स्थित विख्यात इस्लामी शिक्षण संस्थान दारूल उलूम देवबंद के प्रशासन ने एक आदेश जारी कर संस्थान में पढ़ रहे तमाम छात्रों को अपनी दाढ़ी नहीं कटवाने की हिदायत दी है। दारुल उलूम देवबंद के शिक्षा विभाग के प्रभारी मौलाना हुसैन अहमद द्वारा सोमवार शाम को जारी आदेश में कहा गया है कि संस्थान में पढ़ रहा कोई भी छात्र अपनी दाढ़ी नहीं कटवायेगा और अगर वह ऐसा करता है तो उसे निष्कासित कर दिया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि दाढ़ी कटवाकर संस्थान में प्रवेश के लिये आने वाले छात्रों को दाखिला भी नहीं दिया जाएगा। संस्थान के सूत्रों ने बताया कि इससे पहले गत छह फरवरी को दाढ़ी कटवाने पर चार छात्रों को निष्कासित किया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक दारुल उलूम देवबंद ने तीन साल पहले दारुल इफ्ता विभाग में पूछे गये एक सवाल के जबाव में फतवा दिया था, जिसमें कहा गया था कि इस्लाम में दाढ़ी कटवाना हराम है। इस बीच, ह्यऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य एवं लखनऊ के शहर काजी मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि रसूल अल्लाह मुहम्मद साहब दाढ़ी रखते थे, लिहाजा इस्लाम में दाढ़ी रखना सुन्नत है। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति ने एक बार दाढ़ी रख ली और बाद में वह उसे हटाता है तो वह शख्स गुनहगार माना जाएगा। उन्होंने कहा कि दाढ़ी का इस्लाम में अलग महत्व है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह मामला 27 मार्च को होगी छह मामलों में सुनवाई

उत्तर प्रदेश: के मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि से संबंधित छह केसों की सुनवाई सोमवार को हुई। इनमें से दो केस में इंतजामिया कमेटी सचिव तनवीर अहमद ने केस के स्थायित्व को चुनौती दी। उन्होंने आदेश सात नियम 11 सीपीसी पर सुनवाई के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दिया। दो अन्य मामलों में अदालत ने पक्षकार को प्रतिवादियों को नोटिस तामील कराने संबंधी आदेश दिए। अदालत ने सभी मामलों में सुनवाई के लिए 27 मार्च की तारीख तय की है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा के वाद में अदालत ने गैरहाजिर चल रहे सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को नोटिस तामील कराने के लिए पक्षकारों को आदेश दिए। जबकि, महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी और ठाकुर केशवदेव मंदिर के सेवायत पवन शास्त्री के केस में इंतजामिया कमेटी के सचिव द्वारा केस के सुने जाने योग्य है या नहीं इसके लिए प्रार्थना

पत्र दिया। पक्षकार शिशिर चतुवेर्दी, दुष्यंत सारस्वत सहित सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री के केस में अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 27 मार्च की तारीख तय की है। जानकारी रहे कि सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता के केस में हाईकोर्ट द्वारा स्टे किया गया है। पक्षकार हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड केस की पैरवी करने से भाग रहा है। उनको कई दफा नोटिस दिए जा चुके हैं फिर भी हाजिर नहीं हो रहा है। वहीं ईदगाह के सचिव तनवीर अहमद ने बताया कि उन्होंने दो केसों में आदेश 7 नियम 11 की मांग की है। अदालत में प्रतिवादीगण श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सचिव कपिल शर्मा के अधिवक्ता मुकेश खंडेलवाल, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री तथा शिशिर चतुवेर्दी के लिए गोपाल खंडेलवाल, महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की पैरोकार छाया गौतम आदि मौजूद रहे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा आगरा की मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबे ठाकुर केशवराय की श्री विग्रहों का लाने के मामले में सिविल जज फास्ट ट्रैक कोर्ट ने प्रतिवादियों के हाजिर न होने के कारण 28 फरवरी की तारीख लगा दी है। पक्षकार ने बताया कि उनके केस में पुरातत्व विभाग को प्रतिवादी बनाया गया है।

कब्रिस्तान के पास बनाए जा रहे थे अवैध हथियार

पुलिस ने बरामद किया जखीरा, एक आरोपी गिरफ्तार

बरेली : के भोजीपुरा थाना क्षेत्र के धौराटांडा कस्बे मे अवैध हथियार बनाने की फैक्टरी पकड़ी गई है। पुलिस ने मंगलवार को छापा मारकर मौके से देसी बंदूक, रिवॉल्वर, पौनिया, रायफल, तमंचे समेत अर्धनिर्मित तमंचे और इन्हें बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरगना सहित दो आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोजीपुरा क्षेत्र में कब्रिस्तान के पास अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर भोजीपुरा पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने मौके से खतीबुर रहमान उर्फ खतीब निवासी धौराटांडा को गिरफ्तार कर लिया। उसके दो साथी पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। फरार आरोपियों में से एक सरगना है। पुलिस की पूछताछ में खतीबुर रहमान ने बताया कि वह सौरभ उर्फ अर्पित निवासी बिबियापुर थाना भोजीपुरा और लालाराम निवासी मुड़िया हाफिज के साथ अवैध हथियार बनाते थे। किसी को शक न हो, इसलिए कब्रिस्तान से सटी झाड़ियों के बीच मिट्टी में हथियार छिपाते थे। तीनों आरोपी ऑन डिमांड अवैध बनाकर बेचा करते थे।

शोक प्रस्ताव के बाद विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिये स्थगित

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान मंगलवार को दोनों सदनों की कार्यवाही विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष केसरी नाथ त्रिपाठी तथा कई अन्य सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किये जाने के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन वर्तमान विधानसभा के सदस्य राहुल प्रकाश कोल तथा 15 पूर्व सदस्यों के निधन पर सदन ने शोक व्यक्त किया। विधानसभा में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छानबे सीट से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी अपना दल-सोनेलाल के विधायक राहुल प्रकाश कोल के गत दो फरवरी को हुए निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कोल गरीबों-वंचितों और वनवासी क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। उन्होंने कहा, ह्यह्यकोल के निधन से प्रदेश ने युवा नेता व कुशल राजनीतिज्ञ को खो दिया है। उनका निधन समाज की अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी के निधन पर भी शोक जताया। उन्होंने बनवारी लाल दोहरे, सुंदरलाल दीक्षित और रामचरण त्रिपाठी समेत विधानसभा के 14 अन्य पूर्व सदस्यों के निधन पर भी दुख व्यक्त किया। विधानसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) और विपक्ष के नेता अखिलेश यादव, निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद, अपना दल-सोनेलाल के नेता आशीष पटेल और कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा ने भी सदन में शोक जताया। इस बीच, विधान परिषद की कार्यवाही भी पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल केसरी नाथ त्रिपाठी और सदन के सदस्य बनवारी लाल के निधन पर शोक व्यक्त किये जाने के बाद बुधवार तक के लिये स्थगित कर दी गयी। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह के सभापतित्व में शुरू हुई। उन्होंने त्रिपाठी के निधन पर शोक व्यक्त किया। इसके बाद नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उच्च सदन के सदस्य बनवारी लाल के निधन पर शोक-प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव पर सपा के लाल बिहारी यादव, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के भीमराव आम्बेडकर, शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी, निर्दलीय समूह के राजबहादुर सिंह चंदेल, भाजपा सदस्य अरूण पाठक और मानवेन्द्र प्रताप सिंह समेत विभिन्न सदस्यों के साथ-साथ सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। सदन ने दिवंगतों की आत्माओं की शांति के लिए कुछ क्षण खड़े होकर मौन रखा। उसके बाद सदन की कार्यवाही बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिये स्थगित कर दी गयी।

शादी के बंधन में बंधेंगी अंतर्राष्ट्रीय पहलवान दिव्या काकरान, देखें हल्दी-मेहंदी की तस्वीरें

मुजफ्फरनगर : जनपद के पुरबालियान गांव निवासी अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी दिव्या काकरान आज यानी मंगलवार को शादी के बंधन में बंध जाएंगी। मेरठ के परतापुर बाईपास स्थित एक राज रिसॉर्ट में पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय पीटीएस निवासी सचिन प्रताप सिंह के साथ दिव्या काकरान सात फेरे लेंगी। दिव्या काकरान की शादी में केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, उप्र राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल सहित कई मंत्री शामिल हो सकते हैं। यही नहीं शादी में देश विदेश के कई बड़े कुश्ती खिलाड़ी भी शामिल होंगे। वहीं सोमवार को दिव्या ने मेहंदी की आयोजन की अपनी व परिवार के साथ कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की जिनमें वह ग्रीन कलर के लहंगे में काफी खूबसूरत दिख

रही हैं। अर्जुन अवॉर्डी पहलवान दिव्या काकरान की शादी पिछले वर्ष तय हो गई थी। पारिवारिक समारोह में मेरठ निवासी नेशनल खिलाड़ी सचिन प्रताप के साथ दिव्या की सगाई हुई थी। इस दौरान दोनों परिवार मौजूद रहे थे। दिव्या ने बताया ओलंपिक के बाद शादी करने का फैसला किया था। पुरबालियान गांव की बेटी दिव्या ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। काकरान के पिता सूरज पहलवान ने बताया कि मंगलवार को दिव्या की सगाई नेशनल बॉडी बिल्डर खिलाड़ी सचिन प्रताप के साथ होगी। सचिन मूल रूप से शामली के जाफरपुर गांव का रहने वाला है और इन दिनों परिवार के साथ मेरठ में रहता है। सचिन के पिता मेरठ में रहते हैं। दिव्या ने पिछले दिनों सर्बिया में खेली गई अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। काकरान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 77वां पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया था। पहलवान दिव्या काकरान की शादी में आज कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। वहीं दूल्हा और दुल्हन पक्ष की ओर से परिवार और रिश्तेदारों के बीच ये शादी संपन्न होगी।

युवती की हत्या के दोषी पिता व भाई को आजीवन कारावास

प्रतापगढ़ (उप्र),। प्रतापगढ़ जिले की एक अदालत ने एक युवती की हत्या के आरोप में उसके पिता और भाई को उम्रकैद और जुमार्ने की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 30 जून 2020 की सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि कंधई थाना क्षेत्र के चौपई गांव में ऊषा मौर्य नामक युवती को उसके पिता सूर्यमणि मौर्य और भाई धनंजय ने चरित्र पर संदेह होने की वजह से काफी मारा-पीटा था। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गयी थी। इस मामले में आरोपी सूर्यमणि मौर्य और धनंजय के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया था। जिला अपर सत्र न्यायाधीश आलोक द्विवेदी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सोमवार को हत्यारोपी पिता और भाई को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 20-20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई।

ट्रक ने मारी ई-रिक्शा को टक्कर : एक लड़के की मौत, 15 लोग घायल

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि ह्यसबका साथ, सबका विकास तभी संभव है जब उत्तर प्रदेशमें जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी। यादव ने राज्य विधानसभा के बजट सत्र के लिए विधानसभा जाते वक्त संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ह्यह्यजाति आधारित जनगणना की सपा की मांग कोई नई नहीं है। इससे पहले भी सपा तथा अन्य कई पार्टियों ने इसकी मांग रखी है। ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न तभी संभव है जब जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी। गौरतलब है कि ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नारा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता अक्सर इस नारे का जिक्र करते हैं। सपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए कहा, वह (मुख्यमंत्री) दूसरे प्रदेश से आए हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश में जाति आधारित जनगणना से कोई लेना देना नहीं है। जाति के आधार पर जनगणना होने के बाद ही लोगों को उनका वाजिब सम्मान मिलेगा, नहीं तो बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपने अधूरे ही रह जाएंगे। पूर्व मुख्समंत्री ने कहा कि कानपुर देहात में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान एक झोपड़ी में आग लगने से मां-बेटी की मौत होने की हाल की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैंक में नकली नोट मिलने पर बैंक प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज

मुजफ्फरनगर, । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की यहां स्थित न्यू मंडी शाखा के ह्यकरेंसी चेस्टह्न में 50 रुपये के कई नकली नोट पाए जाने के बाद बैंक प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। करेंसी चेस्ट वह जगह होती है जहां बैंको और एटीएम के लिये अतिरिक्त धनराशि रखी जाती है। न्यू मंडी पुलिस थाना के एसएचओ बृजेंद्र रावत ने सोमवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के कानपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के एक अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने पीएनबी की न्यू मंडी शाखा के प्रबंधक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के मुताबिक, जनवरी, 2023 में इस बैंक शाखा के करेंसी चेस्ट में 50 रुपये के 27 नकली नोट पाए गए थे।।

एनआईए की टेरर फंडिंग को लेकर उप्र के कई जिलों में छापेमारी जारी

लखनऊ, । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की है। सूत्रों की मानें तो गैंगस्टर और उनके आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज मामलों में यूपी के कई शहरों में सुबह से छापेमारी जारी है। एनआईए ने लखनऊ, प्रतापगढ़, पीलीभीत, बुलंदशहर, नोएडा सहित कई जिलों में छापा मारा है। टीम ने जनपद प्रतापगढ़ के गोडे गांव में छापा मारा, लेकिन जिस नाम के युवक की तलाश में टीम पहुंची थी उसका पता गलत निकला। लोगों का कहना है कि एनआईए ने रात में ही छापा मारा था और टीम के लोग मंगलवार को भी यहां मौजूद हैं। इसी तरह पीलीभीत जिले के घुंघचाई थाना क्षेत्र स्थित पूरनपुर के अभयपुर माधोपुर गांव में एनआईए की टीम ने कबड्डी खिलाड़ी की हत्या के मामले में पंजाब जेल में बंद आरोपित के घर छापेमारी कर जानकारी जुटाई। घर पर चौकीदार के अलावा कोई मौजूद न होने के कारण टीम बैरंग लौट गई। पंजाबी गायक मूसेवाला मर्डर केस में हथियार की सप्लाई करने वाले के रिश्तेदार याहया पहलवान के घर जनपद बुलंदशहर में खुर्जा में चार टीमों ने छापेमारी की है। यहां पर मौजूद कई लोगों से इस मामले में पूछताछ कर रही है। नोएडा में भी एनआईए की टीम ने छापेमारी की है। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टर-टेरर फंडिंग-आर्म्स सप्लायर नेक्सस मामले में एनआईए ने यूपी, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, चंड़ीगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश में छापेमारी की है। देश भर में कुल 72 जगह एक साथ छापेमारी की कार्यवाही जारी है।

पड़ोसी के घर गए छात्र की संदिग्ध हालात में मौत, दम्पति पर हत्या का आरोप

बदायूं,। बदायूं जिले के बिसौली क्षेत्र में एक छात्र की संदिग्ध हालात में मौत हो गयी। इस मामले में एक दम्पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बिसौली क्षेत्र के दिसौलीगंज गांव में 10वीं का छात्र ज्ञानेंद्र (17) सोमवार को गांव निवासी संजीव और उसकी पत्नी पूनम के बुलावे पर उनके घर गया था। कुछ देर बाद दम्पति ने ज्ञानेंद्र के परिजन को उसके बेहोश होने की सूचना दी थी। जब वह मौके पर पहुंचे तो ज्ञानेंद्र मृत अवस्था में पड़ा था। परिजन के मुताबिक उसके शरीर पर चोट के निशान भी थे। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता शेर सिंह ने संजीव और उसकी पत्नी पूनम पर ज्ञानेंद्र की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों को पूछताछ के लिये हिरासत में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

भगवती प्रसाद चौधरी जी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी का सम्मानित सदस्य बनाये जाने पर हार्दिक बधाई

रजक धोबी समाज की आन बान शान गरीबों के मसीहा छोटे से छोटे से कार्यकताओं को मान सम्मान देने वाले एवम सब के दुख दर्द में शामिल होने वाले उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मिजार्पुर संत गाडगे रजक सेना के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक पूर्व विधायक मेरे पिता तुल्य आदरणीय श्री भगवती प्रसाद चौधरी जी को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (AICC) का सम्मानित सदस्य बनाये जाने पर बहुत बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आप जैसे पार्टी के समर्पित सिपाही पर भरोसा जताने के लिए हमारे नेता श्री #राहुल गांधी जी, श्रीमती सोनिया गांधी जी श्रीमती प्रियंका गांधी जी श्री के राजू सर जी का आभार।